



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 15, 1991 (ज्येष्ठ 25, 1913)
No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 15, 1991 (JYAISTHA 25, 1913)

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांविधिक विवरणों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

लोक ऋण कार्यालय

बैंगलूर

31-12-1990 को समाप्त छमाही के लिए खोये गये आदि भारतीय औद्योगिक वित्त निगम बांड सूची का प्रकाशन

भाग "क"—कुछ नहीं

भाग "ख"—6 प्रतिशत भारतीय औद्योगिक वित्त निगम बांड 1985 (II शृंखला)

प्रतिभूति की संख्या	मूल्य रु० में	जिसके नाम जारी	किस तारीख से व्याज युक्त	अनुलिपि जारी करने और/या विमुक्ति मूल्य के भुगतान के लिए दावेदार का/के नाम	जारी किये गये अनुदेशों की संख्या और तारीख	प्रकाशन सूची की तिथि जिसमें प्रतिभूति का प्रथम प्रकाशन हुआ
---------------------	---------------	----------------	-----------------------------	---	---	--

बी एल 000092	रु० 50,000/-	दि कर्नाटक इंड- स्ट्रियल को-ऑप- रेटिव बैंक लि०	29-10-1984	दि कर्नाटक इंड- स्ट्रियल को-ऑप- रेटिव बैंक लि०	सी० ओ० 69ए, दिनांक 27-9-88	12-11-88
--------------	--------------	--	------------	--	-------------------------------	----------

बी एल 000093	रु० 50,000/-	वही	वही	वही		
--------------	--------------	-----	-----	-----	--	--

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

औद्योगिक सम्बंध एवं नीति विंग

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई-400021, दिनांक 6 मई 1991

संदर्भ : के.आ/वार्मिक/नीति/91-92/370—बैंकधारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और अन्तर्गण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया (अधिकारी) सेवा विनियम, 1979 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ : (1) इन विनियमों का नाम सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम 1990 होगा। (2) संशोधन 1 नवम्बर, 1987 को और से लागू होगा जब तक कि ऐसे किसी विनियम के सामने अन्यथा निर्दिष्ट न हो।

3. संशोधनों का विवरण अनुलग्नक 1 में दिया गया है।

एम०के० वेंकटेश्वरन,
महाप्रबंधक (कार्मिक एवं कम्प्यू)

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी सेवा विनियम 1979

विनियम 21.

1-11-1987 को तथा उसके बाद से, महंगाई भत्ता योजना निम्नानुसार होगी :—

(I) महंगाई भत्ता अखिल भारतीय औसत श्रमिक वर्ग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) आधार 1960-100 की निमाही औसत में 600 अंकों के ऊपर 4 अंक की प्रत्येक वृद्धि अथवा गिरावट के हिसाब से देय होगा।

(II) महंगाई भत्ता निम्नलिखित दरों पर देय होगा :—

- (i) ₹ 2500/- तक "वेतन" का 0.67% और
- (ii) ₹ 2500/- से अधिक परंतु ₹ 4000/- तक "वेतन" का 0.55% और
- (iii) ₹ 4000/- से अधिक परंतु ₹ 4260/- तक "वेतन" का 0.33%
- (iv) ₹ 4260/- से अधिक पर "वेतन" का 0.17%

विनियम 22(2)

1-1-1990 को और उसके बाद से, जहां किसी अधिकारी को बैंक ने कोई आवासीय स्थान नहीं दिया है,

वहां वह निम्नलिखित दरों पर मकान किराया भत्ता पाने का पात्र होगा—

स्तंभ 1

स्तंभ 2

जहां कार्यस्थल निम्नलिखित देय मकान किराया भत्ता स्थानों पर है

- | | |
|---|---|
| (1) सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार समय-समय पर निर्निश्चित प्रमुख "ए" वर्ग के नगर तथा समूह "ए" के परियोजना क्षेत्र केन्द्र | वेतन का 14% परंतु अधिकतम ₹ 450/- प्र० मा० |
| (2) क्षेत्र 1 में अन्य स्थान तथा समूह "बी" के परियोजना क्षेत्र केन्द्र | वेतन का 12% परंतु अधिकतम ₹ 375/- प्र० मा० |
| (3) क्षेत्र 2 तथा उपर्युक्त (1) और (2) के अन्तर्गत न आने वाले राज्यों की राजधानियां एवं संघ शासित क्षेत्रों की राजधानियां | वेतन का 10% परंतु अधिकतम ₹ 325/- प्र० मा० |
| (4) क्षेत्र 3 | वेतन का 8% परंतु अधिकतम ₹ 300/- प्र० मा० |

परंतु यदि कोई अधिकारी किराए की रसीद प्रस्तुत करता है तो उसे देय मकान किराया भत्ता, जिस वेतनमान में वह है उसके प्रथम प्रक्रम के 6% के ऊपर, उसके द्वारा अपने आवासीय स्थान के लिए भुगतान किया गया वास्तविक किराया होगा अथवा स्तंभ 2 में दर्शायी गई दरों पर, अन्यथा देय अधिकतम मकान किराए भत्ते का अधिकतम 175% होगा, जो भी कम हो

स्पष्टीकरण :—

1-4-1990 से प्रभावी

1(ख) यदि आवास बैंक ने किराए पर ले लिया है तो बैंक द्वारा देय संविदागत किराया अथवा उपरोक्त (क) में की गई प्रक्रिया के अनुसार परिकल्पित किराया, जो भी कम हो।

2. इस विनियम में और विनियम 23 में क्षेत्र 1, क्षेत्र 2 और क्षेत्र 3 का अभिप्राय निम्न होगा :—

क्षेत्र 1. 12 लाख में अधिक जनसंख्या वाले स्थान

क्षेत्र 2. जो क्षेत्र 1 में सम्मिलित हैं उनके अलावा सभी शहर जिनकी जनसंख्या 1 लाख और इससे अधिक हो।

क्षेत्र 3. सभी स्थान जो क्षेत्र 1 तथा क्षेत्र 2 में सम्मिलित नहीं किए गए हैं।

विनियम 24—चिकित्सा सहायता :—

1. अधिकारी अपने और अपने परिवार के लिए किए गए वास्तविक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए, निम्नलिखित आधारों पर, पात्र होगा।

(क) चिकित्सा व्यय :

1-1-1990 को और इसके बाद से अधिकारी तथा उसके परिवार के चिकित्सा व्ययों की प्रतिपूर्ति, नीचे सारणी के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट वेतन सीमा तथा स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट प्रतिपूर्ति सीमा के अध्यधीन की जाएगी इसके लिए अधिकारी को अपनी ओर से प्रमाण-पत्र देना होगा कि उसने यह व्यय किया है और दावा की गई राशि के समर्थन में उसे खर्च का विवरण देना होगा।

सारणी

वेतन सीमा	वार्षिक प्रतिपूर्ति सीमा (रु०)
(1)	(2)
रु० 2100/- से 3060/- प्र०मा० तक	750/-
रु० 3061/- प्र०मा० और अधिक	1000/-

टिप्पणी : एक अधिकारी, उपयोग में न आई चिकित्सा सहायता को संचित कर सकता है लेकिन यह राशि किसी भी समय उल्लिखित अधिकतम राशि के तीन गुने से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण :

इस विनियम के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी के परिवार में उसकी पत्नी/उसका पति, पूर्णतः आश्रित संतान और पूर्णतः आश्रित माता-पिता ही शामिल होंगे।

(ख) अस्पताल में भर्ती खर्च :—

- (1) 1-4-1989 को और इसके बाद से उन सभी मामलों में जिनमें अस्पताल में भर्ती होना आवश्यक है अस्पताल में भर्ती होने पर अधिकारी के मामले में 90% तक तथा उसके परिवार के सदस्यों के मामले में 60% तक अस्पताल के खर्चों की प्रतिपूर्ति की जाएगी। बिलों, वाउचरों आदि के आधार पर किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार समय-समय पर निर्धारित सीमा के अध्यधीन होगी।

- (2) अधिकारियों अथवा उनके परिवार के सदस्यों (जैसा भी मामला हो) से यह अपेक्षा की जाती

है कि वे सरकारी या नगर पालिका अस्पताल में अथवा किसी निजी अस्पताल अर्थात् किसी न्याय, धर्मार्थ संस्था अथवा धार्मिक मिशन के प्रबंधन के अधीन आने वाले अस्पतालों में भर्ती हों। किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में अधिकारीगण अथवा उनके परिवार के सदस्य अथवा दोनों किसी अनुमोदित निजी नर्सिंग होम या बैंक द्वारा अनुमोदित निजी अस्पतालों में भर्ती हो सकते हैं। ऐसे मामलों में प्रतिपूर्ति तथापि उस राशि तक सीमित रहेगी जो ऊपर वर्णित अस्पतालों में रोगी के भर्ती होने पर प्रतिपूर्ति योग्य है।

- (3) 1-4-1989 को और इसके बाद से मान्यता प्राप्त अस्पताल के प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा अधिकारी द्वारा घर पर इलाज की आवश्यकता प्रमाणित करने पर निम्नलिखित रोगों में चिकित्सा खर्चों को भी अस्पताल में भर्ती खर्च माना जाएगा तथा अधिकारी के मामले में 90% तक और उसके परिवार के सदस्यों के मामले में 60% तक खर्चों की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

कैंसर, तपेक्षिक, पक्षाघात, हृदय रोग, ट्यूमर, चेचक, प्लूरिसी, डिप्थीरिया, कुष्ठरोग, गुर्दे की खराबी।

विनियम 24 के अन्तर्गत सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांत

विनियम 24(1) (ख) (1) के अंतर्गत अस्पताल में भर्ती होने पर खर्चों की प्रतिपूर्ति, निम्नलिखित सीमाओं के अधीन, पंचाट कर्मचारियों में द्विपक्षीय समझौते में दी गई अस्पताल में भर्ती होने की योजना के अनुसार की जाएगी :—

अधिकारी का वेतनमान	सीमाएं
कनिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान I और मध्य प्रबंधन श्रेणी वेतनमान II और III	पंचाट कर्मचारियों पर लागू अस्पताल में भर्ती होने की योजना में दी गई सीमाओं का डेढ़ गुना।
वरिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान IV और V तथा उच्च कार्यपालक श्रेणी वेतनमान VI और VII	पंचाट कर्मचारियों पर लागू अस्पताल में भर्ती होने की योजना में दी गई सीमाओं का दो गुना।

विशेषाधिकार छुट्टी विनियम 33(4)

1-1-1990 को और इसके बाद से, जब तक आवेदित छुट्टी नामंजूर न कर दी गई हो, विशेषाधिकार छुट्टी 240 दिनों से अधिक संचित नहीं की जा सकेगी।

द इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स
ऑफ इण्डिया

कलकत्ता-700016, दिनांक 30 अप्रैल 1991

लागत एवं कार्यशाला लेखाकार (संशोधन) विनियम,
नियम 1991।

सं० सीडब्ल्यूटी(1)/91।—द कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, 1959 (1959 का 23) धारा 39 उप-धारा 2 के साथ उप-धारा 1 के पढ़े जाने पर उसके द्वारा दी गई धमता के उपयोग के विचार से द इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया ने कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्यूलेशन, 1959 में कुछ और संशोधन करने का निश्चय लिया है।

इस दृष्टि से उक्त काउन्सिल ने राज्य सरकार के अनुमोदन से, इस आशय हेतु निम्न उल्लिखित संशोधन प्रस्तावित किये हैं :

अतः पर अब धारा 39 की उपधारा (3),—कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1959 (1959 की धारा 23) के अनुसरण के विचार से द इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया एतद्वारा प्रभावी होने वाले प्रस्तावों का प्रकाशन जन साधारण के सचनार्थ कर रही है।

(2) एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रस्ताव से संबंधित कोई आपत्ति या सुझाव कोई व्यक्ति भेजना चाहता हो तो वह उसे प्रकाशन होने की तिथि से 45 दिन के अन्दर द इन्स्टिट्यूट ऑफ वर्क्स एण्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया के काउन्सिल के विचारार्थ इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया को 12, सबर स्ट्रीट, कलकत्ता-700 016 के पते पर भेजे।

1. (i) यह विनियम “कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स (एमेन्डमेन्ट) रेग्यूलेशन, 1991 के नाम से जाना जाएगा।

(ii) यह विनियम इस अधिसूचना के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होगा।

प्रस्ताव

2. कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्यूलेशन, 1959-रेग्यूलेशन 55 निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

55 जिन सदस्यों का चुनाव किया जाता है—

(1) प्रत्येक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य का निर्वाचन किया ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में से कितने सदस्यों को निर्वाचित किया जाना है इसकी संख्या निर्धारित करने के लिये कुल सदस्यों की संख्या को उप विनियम (4) के अनुसार 12 से

विभाजित किया जाता है (अब इसके बाध से अधिकतम सदस्यों की संख्या के संदर्भ में इसे लिया जाएगा (जिन्हें अधिनियम 9 की उपधारा (2) के अनुसार निर्वाचित किया जाना है। बशर्ते कि इस काउन्सिल में कम से कम एक सदस्य का निर्वाचन किया गया हो।

(2) प्रत्येक चुनाव क्षेत्र से परिणाम निकलने के बाद कुल सदस्यों को जोड़ने के बाद, खण्ड का विचार न करने हुए यदि अधिकतम संख्या के सदस्य एक से कम हों तो ऐसी अधिकतम खण्ड को एक माना जाएगा। इसके बावजूद भी कुल सदस्यों की संख्या अधिकतम संख्या से कम पड़ती है तो ऐसी स्थिति में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र के सम्बन्ध में दूसरे उच्चतम खण्ड को एक के रूप में माना जाएगा। और यही प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी जब तक कुल सदस्यों की संख्या अधिकतम सदस्यों की संख्या के समान नहीं हो जाती।

(3) प्रत्येक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र प्राप्त सदस्यों की संख्या जोड़ने के बावजूद भी अधिकतम सदस्यों की संख्या से कम हो तो ऐसी स्थिति में जिस निर्वाचन क्षेत्र में अधिक सदस्य होंगे वही के खण्ड को एक के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है।

(4) उप-विनियमन 1 में संदर्भित कुल सदस्यों की संख्या का निर्धारण उन्हीं सदस्यों की संख्या के संदर्भ में किया जाएगा जिनका नाम किसी भी निर्वाचन की भोट तालिका में पात्र सदस्यों की सूची में इन्स्टिट्यूट की भोट तालिका में कम से कम 5 माह पूर्व की तिथि में आ गया हो और उमका प्रकाशन हो गया हो।

व्याख्या :

इस विनियमन के आशय हेतु जहां उप विनियमन (1) लागू होता है, वहां उप विनियमन (1) तथा (2) को पढ़ने के बाद यही प्रक्रिया चालू रहेगी :

1. ऐसे निर्वाचन क्षेत्र संदर्भित सदस्यों की संख्या में उपविनियमन (4) में संदर्भित संख्या घटा दें तथा

2. उक्त प्रावधान का अनुसरण करते हुए काउन्सिल में निर्वाचित किये जाने वाले सदस्य को 1 से घटा दें वहां की अधिकतम संख्या में।

नोट :

प्रमुख विनियम के प्रकाशन की संख्या व तिथि

सीडब्ल्यूआर(5)/67 दिनांक 23-11-1967

सकुरांत परवर्ति संशोधन—सूच्य।

दिनांक 17 मई 1991

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

सं०-16-सीडब्ल्यूआर (1106-1108)/91—कांस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के रेग्युलेशन का अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कांस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स एक्ट 1959 की धारा 20 की उपधारा (1)(ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए द. इन्स्टीट्यूट ऑफ कांस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया की कान्ग्रेसल ने अपने सदस्यता के रजिस्टर से निम्नलिखित सदस्यों के नाम हटा दिये हैं :—

1. श्री के० सुब्रमण्यम, बी० ए० बी० कॉम० ए०सी० एम०ए० एफ०आई०सी० डब्ल्यू०ए० प्लॉट 210, ब्लॉक 3, कृष्णनिवास, वडाला, मुम्बई-400 031 सदस्यता संख्या, 485-पहली अवतूबर, 1990 से प्रभावी।
2. श्री डी०वी० ब्रकटेश, सुबैया, एफ०आई०सी० डब्ल्यू०ए० 48, 1ला क्रॉस रोड, ए०डी०ब्लॉक, श्रीरामपुरम बैंगलोर-560 021 (सदस्यता सं० 164)—7 मार्च, 1989 से प्रभावी।
3. श्री के०एस० वर्मा, बी०एस० सी० एफ०आई०सी० डब्ल्यू०ए० वित्तीय सलाहकार, रबर बोर्ड, कोट्टायम 0686-001 सदस्यता संख्या 3139, 27 दिसम्बर, 1989 से प्रभावी (मृत्यु के कारण)

सं० 18-सीडब्ल्यूआर (251-253)/91—कांस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के विनियमन 18 का अनुसरण करते हुए उक्त विनियमन 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कांस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया की उक्त कान्ग्रेसल ने निम्न सदस्यों के नाम पुनः अपने सदस्यता के रजिस्टर में दर्ज कर लिए हैं :

1. श्री टी०एस० रंगनाथन बी०एस०सी० बी०एल० एफसीए एफसी० एम० ए०एफ०आई०सी० डब्ल्यू०ए० मणिरंग, 3, थिस्वैगडम स्ट्रीट, आर०ए० पुरम्, मद्रास 600 028 सदस्यता सं० 437 1सी अप्रैल, 1991 से प्रभावी।

2. श्री पी०के० दास, बी०कॉम० ऑनर्स० ए०आई०सी० डब्ल्यू०ए० वरिष्ठ लेखा अधिकारी गार्डेनरीच शिप बिल्डर्स एण्ड इंजिनियर्स लि० 43/46, गार्डेनरीचरोड, कलकत्ता-700 024 सदस्यता सं० 5651 3 मई, 1991 से प्रभावी।

3. श्री सुखन्दु पुरकाईत, बी०एस०सी० (ऑनर्स) ए०आई०सी० डब्ल्यू०ए० सहायक नियंत्रक लेखा, गार्डेनरीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजिनियर्स लि० 43/46, गार्डेनरीच रोड, कलकत्ता-700 024 (सदस्यता सं० 4118) 6 मई 1991 से प्रभावी।

एस० आर०आचार्य,
सेक्रेटरी

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1991

सं० एन०-15/13/6/1/91—यो० एवं वि० (2) कर्मचारी राज्य बीमा सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पाठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-5-91 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा केरल कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1957 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत शक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

“कन्नूर जिला व मालुक में चेरुकुन्नू राजस्व ग्राम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”

दिनांक 17 मई 1991

सं० एन०-12/13/1/90—यो० एवं वि० यथा संशोधित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 97 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम इसके द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है जिन्हें उक्त धारा की उप धारा (1) द्वारा यथा-अपेक्षित रूप में सुझाव एवं आपत्तियाँ, यदि कोई हों, आमंत्रित करने के लिए भारत के राजपत्र के भाग-II, अनुभाग-4 दिनांक 24 नवम्बर, 1990 में पहले प्रकाशित किया जा चुका है, अर्थात् :—

1. (i) इन विनियमों को कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) (दूसरा संशोधन), विनियम, 1991 कहा जाएगा।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. विनियम 31-क में “छः प्रतिशत प्रतिवर्ष” शब्दों के स्थान पर “बारह प्रतिशत” शब्द रखे जायेंगे।

3. मौजूदा विनियम 31-ख के स्थान पर निम्नलिखित प्रति-स्थापित किया जाएगा।

“31-ख ब्याज की वसूली—विनियम 31-क के अधीन संशोधित किसी ब्याज की वसूली भू-राजस्व के बकाया के रूप में या यथा-संशोधित अधिनियम की धारा 45-ग से धारा 45-म के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी”

4. विनियम-32 के खण्ड (1) के बाद निम्नलिखित नया उप-विनियम जोड़ा जायेगा।

(1) (क) अव्यवहित नियोजक द्वारा नियुक्त कर्मचारियों का रजिस्टर—प्रत्येक कर्मचारी के सम्बन्ध

- में फार्म-7 में एक रजिस्टर रखेगा और अधिनियम की धारा 41 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत देय किसी राशि के निपटान से पहले उसे प्रधान नियोजक को प्रस्तुत करेगा।
5. विनियम 45 के खण्ड (च) में "अन्त्येष्टि प्रसुविधा" शब्दों के स्थान पर "अन्त्येष्टि खर्च" शब्द रखे जाएंगे।
6. विनियम-52 के उप-खण्ड (1) (ख) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
(ख) "अन्त्येष्टि खर्च" की दशा में 15 दिन तक।
7. विनियम-80 के उप-खण्ड (1) (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
(2) दावा करने वाला व्यक्ति कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 के नियम 58 में दी गई व्यवस्था के अनुसार दावा करने के लिए हकदार आश्रित व्यक्ति है।
8. विनियम 80 के उप-खण्ड 1 (4) में "अधिनियम की प्रथम अनुसूची के पैरा-8" शब्दों के स्थान पर "कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 के नियम 58" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
9. विनियम-76क के शीर्षक के स्थान पर "स्थायी निःशक्तता के लिए दावे प्रस्तुत करना" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
10. विनियम 76ख के खण्ड (2) और (3) में उल्लिखित "कालिक संदायों" शब्दों के स्थान पर "स्थायी निःशक्तता प्रसुविधा" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
11. विनियम 76ख के उप-खण्ड (5) में "काकालिक संदाय" शब्दों को छोड़ दिया जाएगा।
12. विनियम 89ख में उल्लिखित "12, 13 और 14", शब्दों और अंकों के स्थान पर क्रमशः "12क, 13क और 14क" शब्द एवं अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
13. मौजूदा विनियम 52-क को पुनः संख्यांकित करते हुए 52-क (1) संख्या दी जाएगी और इसमें उल्लिखित "या प्रसूति प्रसुविधा" शब्दों को हटा दिया जाएगा।
14. विनियम 52-क(1) के बाव निम्नलिखित नया उप-विनियम 52-क (2) जोड़ा जाएगा।
(2) प्रत्येक नियोजक किसी बीमाकृत महिला को काम से ऐसी अनुपस्थिति की बाबत जिसके लिए अधिनियम के अखीन यथा-उपबंधित प्रसूति प्रसुविधा का दावा किया गया है या जबा किया गया है,

फार्म 28-क में ऐसी सूचना और विवरण ऐसे समय के अन्तर समुचित कार्यालय को भेजेगा जो उक्त कार्यालय उक्त फार्म में लिखित रूप में अपेक्षित करें।

15. विनियम 95-ख के ऊपर दिए गए "अन्त्येष्टि प्रसुविधा" मुख्य शीर्षक के स्थान पर "अन्त्येष्टि खर्च" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
16. विनियम 95-ख के उप-खण्ड (ख) में "अन्त्येष्टि प्रसुविधा" शब्दों के स्थान पर "अन्त्येष्टि खर्च" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
17. विनियम 95-ड के शीर्षक और खण्ड (1) में "अन्त्येष्टि प्रसुविधा" शब्दों के स्थान पर "अन्त्येष्टि खर्च" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
18. विनियम 95-ग में उल्लिखित "अन्त्येष्टि प्रसुविधा" शब्दों के स्थान पर "अन्त्येष्टि खर्च" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
19. विनियम 103-क के बाद निम्नलिखित नया विनियम 103-ख जोड़ा जाएगा।

विनियम 103-ख

(1) ऐसे बीमाकृत व्यक्ति को चिकित्सा प्रसुविधा जो स्थायी निःशक्तता के कारण बीमा योग्य रोजगार में नहीं रहा हो।

ऐसा कोई बीमाकृत व्यक्ति जो रोजगार छोड़ के कारण हुई स्थायी निःशक्तता के कारण बीमा योग्य रोजगार में न रहा हो, उस तारीख तक अपने तथा अपनी पत्नी/पति के लिए चिकित्सा प्रसुविधा लेता रहेगा जिस तारीख को वह ऐसी स्थायी निःशक्तता न होने की स्थिति में अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर रोजगार छोड़ता बशर्ते कि वह इस प्रयोजन के लिए महानिदेशक द्वारा निर्दिष्ट फार्म में नियोजक से एक प्रमाण-पत्र/बोषणा पत्र प्रस्तुत करें।

(2) सेवा-निवृत्त बीमाकृत व्यक्तियों को चिकित्सा प्रसुविधा।

अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने वाला बीमाकृत व्यक्ति, अपने तथा अपनी पत्नी/अपने पति के लिए चिकित्सा-प्रसुविधा प्राप्त करने का पात्र होगा बशर्ते कि वह इस प्रयोजन के लिए महानिदेशक द्वारा निर्दिष्ट फार्म में नियोजक से एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे।

(3) नियोजक, अपने द्वारा नियुक्त किए गए कर्मचारी को मांगने पर उपविनियम (1) और (2) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

20. विनियम 108-छोड़ दिया गया।

21. विनियमों की अनुसूची-1 व अनुसूची-2 छोड़ दी गई।

विनियम प्रारूप

कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम-1950 में निर्धारित विनियम प्रारूपों में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

1. विनियम प्रारूप 1, 1-क और 1-ख

प्रारूप 1 (कालम 13 के नीचे टिप्पणी के पैरा 1 (प्रारूप-1-क और प्रारूप 1-ख में दी गई टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पणी प्रतिस्थापित की जायेगी :—

“टिप्पणी—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 2 खण्ड (II) के अनुसार कुटुम्ब से बीमाकृत व्यक्ति के निम्नलिखित सभी या निम्नलिखित में से कोई भी संबंधी अभिप्रेत है अर्थात् (1) पति या पत्नी (2) अवयस्क धर्मज या दत्तक शिशु जो बीमाकृत व्यक्ति पर आश्रित हो। (3) शिशु जो पूरी तरह बीमाकृत व्यक्ति की आय पर आश्रित है और जो (क) 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक शिक्षा प्राप्त कर रहा हो/रही हो (ख) अविवाहित पुत्री (4) शिशु जो शारीरिक अथवा मानसिक असामान्यता या चोट के कारण अशक्त है और तब तक बीमाकृत व्यक्ति की आय पर पूर्ण रूप से आश्रित है जब तक उसकी अशक्तता चालू रहती है (5) आश्रित माता-पिता”

2. प्रारूप 01 : प्रारूप 01 के स्थान पर संलग्न प्रारूप 01 प्रतिस्थापित किया जाएगा।

3. प्रारूप 12 : प्रारूप 12 के स्थान पर संलग्न प्रारूप 12 प्रतिस्थापित किया जाएगा।

4. प्रारूप 12क : बीमारी के लिए प्रसूति प्रसुविधा के लिए नया फार्म तैयार किया गया है। प्रारूप 12-क संलग्न है।

5. प्रारूप 13 और 14 : वर्तमान प्रारूप 13 और 14 के पहले पैरा के बाध निम्नलिखित पैरा जोड़ा गया है :—

“मैंने छुट्टी/अवकाश के लिए मजदूरी नहीं ली है। मैं प्रमाणित अनुपस्थिति की अवधि के दौरान जिसके लिए प्रसुविधा का दावा किया गया है, हड़ताल पर नहीं था/थी।”

6. प्रारूप 13क : बीमारी के लिए प्रसूति प्रसुविधा के लिए नया प्रारूप तैयार किया गया है। प्रारूप 13क संलग्न है।

7. बीमारी के लिए प्रसूति प्रसुविधा के लिए नया प्रारूप तैयार किया गया है। परिशोधित प्रारूप 14-क संलग्न है।

8. प्रारूप 25क : वर्तमान प्रारूप सं. 25-क में जहाँ “अन्त्येष्टि प्रसुविधा” शब्द आए वहाँ उनके स्थान पर “अन्त्येष्टि खर्च” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

9. प्रारूप 28 : प्रारूप-28 के स्थान पर संलग्न नया प्रारूप-28 प्रतिस्थापित किया जाएगा।

10. प्रारूप 28 क : प्रसूति सुविधा के दावे के लिए काम से बीमाकृत महिला की अनुपस्थिति के सम्बन्ध में नियोजक द्वारा सूचना और विवरण भेजने के लिए नया प्रारूप तैयार किया गया है। प्रारूप 28-क संलग्न है।

फार्म-01

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नियोजक रजिस्ट्रीकरण प्रारूप

(विनियम-10-ख)

*नियोजक संकेत संख्यांक
(यदि पहले आबंटित किया गया है)

1. कारखाने/स्थापना का नाम
2. रजिस्ट्रीकृत पूरा पता
3. (क) टेलीफोन संख्यांक यदि कोई हो

(ख) तार पता, यदि कोई हो

4. कारखाने/स्थापना का अवस्थान .

(क) राज्य

(ख) जिला

(ग) नगर या ग्राम

(घ) निकटतम रेल स्टेशन

(ङ) सड़क या परिवहन का नाम, नगरपालिका संख्यांक, यदि कोई हो

(च) जहाँ कारखाना/स्थापना स्थित है उससे निकटतम डाकघर

(छ) जहाँ कारखाना/स्थापना स्थित है उसमें अधिकारिता रखने वाला पुलिस थाना

5. किए जा रहे काम/कारोबार का यथावत् स्वरूप

6. (क) कारखाना अधिनियम के अधीन कारखाने का/दुकान और स्थापना अधिनियम के अधीन या किसी अन्य अधिनियम (अनुलग्नक) अधिनियम का नाम दीजिए) के अधीन स्थापना का रजिस्ट्रीकरण वर्ष

(ख) अनुज्ञप्ति संख्यांक (कारखाना)/प्रमाणपत्र संख्यांक (स्थापन)

(ग) कारखाना/स्थापना प्रारंभ करने की तारीख

7. स्वत्व का स्वरूप (क्या रजिस्ट्रीकृत संयुक्त स्टाफ कम्पनी, वाण्टिक स्वामित्व, भागीदारी या प्राईवेट रजिस्ट्रीकृत कम्पनी है)

8. प्रधान नियोजक :

(क) प्रबंधक का नाम, जो कारखाने की दशा में कारखाना अधिनियम के प्रयोजनों के लिए और स्थापना की दशा में ब्रुकान और स्थापना अधिनियम या किसी अन्यसुसंगत अधिनियम के प्रयोजनों के लिए प्रबंधक के रूप में घोषित है)

(ख) प्रबंध निदेशक/प्रबंध अभिकर्ता/प्रबंध भागीदार स्थायी या अधिष्ठाता का नाम और उसका निवासीय पता

(ग) यदि वह रजिस्ट्रीकृत संयुक्त स्टाफ कम्पनी है तो निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष का नाम और पता

(घ) यदि रजिस्ट्रीकृत संयुक्त स्टाफ कम्पनी है तो प्रत्येक निदेशक का नाम और निवासीय पता (यदि भागीदार समुत्थान है तो प्रत्येक भागीदार का नाम और पता)

9. (क) क्या कारखाने/स्थापना में बिजली का उपयोग किया जाता है यदि हाँ तो कब से

(ख) कारखाने की दशा में क्या कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 2(ड) (I) या 2(ड) (II) के अधीन अनुज्ञप्ति जारी की गई है

10. क्या कोई काम/कारोबार ठेकेदारों या अन्य अव्यवहित नियोजकों के यदि कोई हो, माध्यम से किया जाता है ?

(क) यदि हाँ तो काम/कारोबार का स्वरूप

(ख) मजदूरी पर इस प्रकार के नियोजित व्यक्तियों की संख्या

(1) पुरुष

(2) स्त्रियाँ

(3) कुल संख्या

11. यदि कारखाने/स्थापना का कोई शाखा कार्यालय, मद 4 पर वर्णित स्थान से भिन्न स्थानों पर या भारत में कहीं भी क्रय/विक्रय, प्रशासन और अन्य कारबार के लिए

कार्य कर रहा है तो, ऐसे यूनिट का नाम और पता/यूनिटों के नाम और पते तथा प्रत्येक यूनिट में कर्मचारियों की संख्या दीजिए (यदि आवश्यक हो तो अलग से पन्ना संलग्न कीजिए)

12. (क) मजदूरी पर कुल कितने व्यक्ति नियोजित किए गए (इनके अन्तर्गत वे व्यक्ति भी हैं जो ठेकेदारों या ठेकेदार सहित अव्यवहित नियोजनों के माध्यम से नियोजित हैं चाहे वे प्रशासन से या उसके लिए कच्चे माल के त्रय या उसके उत्पादों के वितरण या विक्रय से संबंधित हैं चाहे वे शारीरिक श्रम, लिपिकीय, पर्यवेक्षीय हों और चाहे वे स्थायी या अस्थायी हों)

(1) पुरुष

(2) स्त्रियाँ

(3) कुल संख्या

(ख) कारखाने की दशा में, अधिक से अधिक कितने व्यक्ति कारखाने में एक दिन अनुज्ञप्ति में जैसा उल्लिखित है उसके अनुसार नियोजित किए जा सकते हैं

13. कुल कितने कर्मचारी हैं (इनके अन्तर्गत वे व्यक्ति भी हैं जो ठेकेदारों या ठेकेदार सहित अव्यवहित नियोजकों के माध्यम से नियोजित हैं, चाहे वे प्रशासन से या उसके लिए कच्चे माल के त्रय या उसके उत्पादों के वितरण या विक्रय से संबंधित हैं चाहे वे शारीरिक श्रम, लिपिकीय पर्यवेक्षीय हों, और चाहे वे स्थायी या अस्थायी हों) जिनमें से प्रत्येक की मजदूरी (अतिरिक्त काम के लिए पारिश्रमिक को छोड़कर) एक हजार छह सौ रुपये प्रतिमास या उससे कम है :—

(1) पुरुष

(2) स्त्रियाँ

(3) कुल संख्या

14. (क) उक्त प्रश्न संख्या 13 में बताए गए कर्मचारियों को पूर्ववर्ती माम में दी गई मजदूरी की कुल रकम

(ख) कितने कर्मचारियों को (क) में दी गई मजदूरी का संवाय किया गया

15. (1) वह पहली तारीख जब से ** जिसको कारखाना/स्थापन परिसर में मजदूरी पर बस/बीस व्यक्ति *** या उनसे अधिक व्यक्ति नियोजित किए गए थे

(2) क्या दस/बीस व्यक्ति *** या उससे अधिक व्यक्ति मजदूरी पर लगातार नियोजित किए गए थे

(3) उक्त (1) में वर्णित पहली तारीख से किसी दिन मजदूरी पर अधिक से अधिक कितने व्यक्ति नियोजित किए गए, उनका माहवार विवरण नीचे दी गई मागणी में दे दिया गया है :—

वर्ष	जन०	फर०	मार्च,	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सित०	अक्तू०	नव०	दिस०
1951												
से												
1984												
1985												
1986												
1987												
1988												
1989												
1990												
1991												

मैं घोषणा करता हूँ कि पूर्वोक्त विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है।

तारीख हस्ताक्षर

स्थान पदनाम

*यह उस कारखाने का स्थापन की दशा में उपदर्शित किया जाएगा जिसको अधिनियम पहले किसी समय लागू था और जिसको नियोजक संकेत संख्याक आवंटित किया गया था।

***यह तारीख कारखाने/स्थापना के सबंध में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के उपबंधों के प्रवर्तन की तारीख से एक वर्ष पहले की होनी चाहिए। यह तारीख ऐसे कारखाने/स्थापना की दशा में, जिसको अधिनियम पहले से लागू था किन्तु तत्सम लागू नहीं रहा है, वह तारीख होगी जब अधिनियम अंतिम बार लागू हुआ है।

***जो लागू न हो उसे काट दीजिए। विनिर्माण प्रक्रिया में शक्ति का उपयोग करने वाले स्थापना की दशा में, नियोजित व्यक्तियों की संख्या दस या उससे अधिक है। शक्ति का उपयोग करने वाले कारखाने या शक्ति का उपयोग किए बिना विनिर्माण प्रक्रिया में लगे हुए किसी स्थापना या किसी अन्य स्थापना की दशा में, नियोजित व्यक्तियों की संख्या बीस या उससे अधिक होगी।

टिप्पण (1)—मद 5 के उत्तर में, उद्योग या कारबार का नाम और उस उद्योग या कारबार के भाग स्वरूप किए जाने वाले काम के सही स्वरूप का वास्तविक पूरी जानकारी दी जानी चाहिए। उदाहरणार्थ कारबार का स्वरूप "टैक्सटाइल (वस्त्र)", "रसायन", "इंजीनियरी", "दुकान", "सड़क परिवहन" आदि देने के बजाए काम के सही स्वरूप का कथन करना चाहिए।

जैसेकि "टैक्सटाइल (वस्त्र)", "कपास बुनाई", "रसायन-विद्यासलाई का विनिर्माण", "इंजीनियरी"—विद्युत मोटरों का विनिर्माण, "दुकान—जूते", "सड़क मोटर परिवहन—नाल का परिवहन" आदि, आदि।

टिप्पण (2)—मद 8 (क) में (घ) तक में वर्णित व्यक्तियों के नाम और पते में परिवर्तन, परिवर्तन होते ही निगम के प्रादेशिक कार्यालय को तत्परता से निरन्तर सूचित किए जाने चाहिए।

टिप्पण (3)—"शक्ति" से कारखाना अधिनियम, 1948 में निर्दिष्ट अर्थ अभिप्रेत होगा।

टिप्पण (4)—"अव्यवहित नियोजक" से उसके द्वारा या उसके माध्यम से नियोजित कर्मचारियों के सम्बन्ध में वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने किसी ऐसे कारखाने या स्थापना के लिए जहां यह अधिनियम लागू है, परीसर में या प्रधान नियोजक या उसके अभिकर्ता के पर्यवेक्षण के अधीन किसी ऐसे सम्पूर्ण काम के या उसके किसी भाग के निष्पादन का भार अपने ऊपर लिया है, जो मामूली तौर पर प्रधान नियोजक के कारखाने का स्थापन किए जाने वाले काम का प्रारम्भिक या उस कारखाने या स्थापना में किए जाने वाले काम का प्रारम्भिक या उस कारखाने के स्थापन के प्रयोजन का आनुषंगिक है, और उसके अन्तर्गत वह व्यक्ति है, जिसके द्वारा उस कर्मचारी की सेवाएँ, जिसने उसके माध्यम से सेवा संविदा कर रखी है, प्रधान नियोजक को अस्थायी रूप में उधार या भाड़े पर दी गई है और इसमें ठेकेदार सम्मिलित है।

टिप्पण (1)—"प्रधान नियोजक" से अभिप्रेत है—

(1) किसी कारखाने में कारखाने का स्वामी या अधिभोगी, और इसके अन्तर्गत ऐसे स्वामी या अधिभोगी या प्रबंध अभिकर्ता, किसी मृत स्वामी या अधिभोगी का विधिक प्रतिनिधि और जहां कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन कोई व्यक्ति कारखाने

के प्रबन्धक के रूप में नामित किया गया है वहाँ इस प्रकार नामित व्यक्ति है :—

- (2) भारत में किसी सरकार के किसी विभाग के नियंत्रणाधीन किसी स्थापन में, ऐसी सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त प्राधिकारी या जहाँ इस प्रकार कोई प्राधिकारी नियुक्त नहीं किया जाता है वहाँ विभागाध्यक्ष,
- (3) किसी अन्य स्थापन में कोई भी ऐसा व्यक्ति जो स्थापन के पर्यवेक्षण और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी हो।

टिप्पणी (6)—कारखाने/स्थापन के “अधिष्ठाता” से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे कारखाने/स्थापन के कामकाज पर अन्तिम नियंत्रण प्राप्त है और जहाँ उक्त कामकाज प्रबंधक-आधिकर्ता को सौंपे जाते हैं वहाँ ऐसा अधिकर्ता कारखाने/स्थापन का अधिष्ठाता समझा जाएगा।

टिप्पणी (7)—“कर्मचारी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो किसी ऐसी कारखाने या स्थापन में, जिसे यह अधिनियम लागू है, या उसके काम के सम्बन्ध में मजदूरी पर नियोजित है, और—

- (1) जो उस कारखाने या स्थापन के किसी काम पर, या उस कारखाने या स्थापन के काम के आनुषंगिक या प्रारम्भिक या उससे सम्बद्ध किसी काम पर, प्रधान नियोजक द्वारा सीधे नियोजित है, चाहे ऐसा काम कर्मचारी द्वारा कारखाने या स्थापन में किया जाता है या अन्यत्र, अथवा
- (2) जो अव्यवहित नियोजक द्वारा या उसके माध्यम से कारखाने या स्थापन के परिसर में या प्रधान नियोजक या उसके अधिकर्ता के पर्यवेक्षण के अधीन ऐसे काम पर नियोजित है जो सामूली तौर पर कारखाने या स्थापन के काम का भाग है या उस काम का प्रारम्भिक भाग या जो कारखाने या स्थापन के प्रयोजन का आनुषंगिक है, अथवा
- (3) जिसकी सेवायें प्रधान नियोजक को उस व्यक्ति द्वारा अस्थाई रूप से उधार या भाड़े पर दी गई हैं, जिसके साथ उस व्यक्ति ने जिसकी सेवायें इस प्रकार उधार या भाड़े पर दी गई हैं, कोई सेवा-संधिदा पर रखी है, और इसके अन्तर्गत ऐसा व्यक्ति है जो कारखाने या स्थापन के या उसके किसी भाग, विभाग या शाखा के प्रशासन से या उसके कारखाने या स्थापन के लिए कच्चे माल के क्रय से या उसके उत्पादों के वितरण या विक्रय से सम्बन्धित किसी काम पर मजदूरी पर नियोजित है या कोई ऐसा व्यक्ति जो शिक्षा के रूप में नियोजित है और शिक्षा अधिनियम, 1961 या स्थापन के स्थायी आदेश के अन्तर्गत शिक्षा के रूप में नियोजित नहीं है।

नियम इसके अन्तर्गत—

- (क) भारतीय नौसेना, सेना या वायुसेना का कोई सदस्य, अथवा

- (ख) इस प्रकार नियोजित ऐसा व्यक्ति जिसकी मजदूरी (अतिरिक्त काम के लिए पारिश्रमिक को छोड़कर) केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित मजदूरी से अधिक हो, नहीं आता;

परन्तु ऐसा कर्मचारी, जिसकी मजदूरी (अतिरिक्त काम के लिए पारिश्रमिक को छोड़कर) अभिदाय-कालावधि के आरम्भ के पश्चात् (न कि पूर्व) किसी भी समय मासिक ऐसी मजदूरी से अधिक हो जाए, जो केन्द्रीय सरकार निर्धारित करे। उस कालावधि के अन्त तक कर्मचारी बना रहेगा।

टिप्पणी (8)—“मजदूरी” से वह सभी पारिश्रमिक अभिप्रेत हैं जो किसी कर्मकार को नियोजन की संविदा के अभिव्यक्त या विवक्षित निबन्धनों की पूर्ति हो जाने पर, नकद संवत्तर किया गया हो या नकद संदेय होता हो। और इसके अन्तर्गत किसी प्राधिकृत छुट्टी की, तालाबन्दी, ऐसी हड़ताल की जो अवैध नहीं है, या काम बन्दी की किसी भी कालावधि की बाबत किसी कर्मचारी को दिया गया संदाय और अन्य अतिरिक्त पारिश्रमिक यदि कोई हो, या जो दो मास से अनधिक के अन्तरालों पर दिया गया हो, किन्तु इसके अन्तर्गत निम्नलिखित नहीं आते :—

- (क) नियोजक द्वारा किसी पेंशन निधि या भविष्य निधि में या इस अधिनियम के अधीन संवत्त कोई अभिदाय,
- (ख) कोई यात्रा भत्ता या किसी यात्रा-रियायत का मूल्य,
- (ग) नियोजित व्यक्ति को ऐसे विशेष व्यय चुकाने के लिए संवत्त कोई राशि जो उसे अपने नियोजन की प्रकृति के कारण उठाने पड़ते हैं, अथवा
- (घ) उन्मोचन पर संदेय कोई उपमान।

फार्म—12

(धारा 63 के साथ पठित विनियम 63)

बीमारी या अस्थायी निःशक्तता प्रसुविधा

प्रसुविधा के लिए दावा

मैं-----पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री-----
बीमा संख्या-----इसके द्वारा यह कथन करता हूँ/करती हूँ कि बीमारी/अस्थायी निःशक्तता के कारण मैं-----
-----से काम नहीं कर रहा हूँ/रही हूँ।
मैंने छुट्टी, अवकाश के लिए मजदूरी प्राप्त नहीं की है। इसके अलावा मैं-----से-----तक बीमारी/अस्थायी अपंगता के कारण प्रमाणित अनुपस्थिति की अवधि के दौरान हड़ताल पर नहीं था।

*मैं अब-----से बीमार/अस्थायी रूप से निःशक्त होने का दावा नहीं करता हूँ/करती हूँ और उस दिन के पहले पारिश्रमिक के लिए मैं कोई काम नहीं करूँगा/करूँगी/मैंने नहीं किया है। मैं तबनुसार प्रसुविधा का दावा करता

हूँ/करती हूँ/मैं चाहता हूँ/चाहती हूँ कि संदाय स्थानीय कार्यालय में नकद किया जाए/मनीआर्डर द्वारा किया जाए।

वर्तमान नियोजक (यदि बदल गया हो) _____
विभाग _____ वर्तमान पता (यदि बदल गया हो) _____

तारीख _____

हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

स्थानीय कार्यालय _____

केवल दुर्घटना के मामले में

दुर्घटना की तारीख, समय तथा स्थान _____ यदि नियोजक को दुर्घटना का नोटिस नहीं दिया गया है तो अलग कागज पर संक्षेप में यह बतायें कि दुर्घटना कैसे हुई।

तारीख _____ हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान _____

*जो लागू न हो उसे काट दें।

आवश्यक:

1. यदि कोई व्यक्ति अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रसुविधा प्राप्त करने के प्रयोजन से मिथ्या कथन या मिथ्या व्यपदेशन करेगा वह अपने को अभियोजन के लिए जिम्मेदार ठहराएगा।
2. यह प्रपत्र पूरा करके समुचित स्थानीय कार्यालय को अविलम्ब भेजा जाना चाहिए।
3. पुनः काम पर आने से पहले अन्तिम प्रमाण-पत्र अवश्य ले लेना चाहिए।

फार्म-12 (क)

(विनियम 63 तथा 89 (ख))

बीमारी के लिए प्रसुति प्रसुविधा

प्रसुविधा के लिए दावा

मैं _____ पत्नी/पुत्री _____ बीमा संख्या _____ घोषणा करती हूँ कि मैं गर्भवस्था/प्रसव/समयपूर्व शिशु-जन्म/गर्भपात से बीमारी के कारण _____ से काम पर नहीं गई हूँ।

*मैं _____ से प्रसव से बीमारी के कारण प्रसुविधा का दावा नहीं करती और मैं/मैंने उस दिन से पहले पारिश्रमिक पर कोई काम नहीं करूँगी/किया है। मैं तदनुसार हितलाभ की मांग करती हूँ।

मैं अदायगी स्थानीय कार्यालय में/नकद/मनीआर्डर चाहती हूँ।

वर्तमान नियोजक (यदि बदल गया हो) _____

विभाग _____

वर्तमान पता (यदि बदल गया हो) _____

हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

स्थानीय कार्यालय _____

दिनांक _____

*जो लागू न हो उसे काट दें।

आवश्यक:

1. यदि कोई व्यक्ति अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रसुविधा प्राप्त करने के प्रयोजन से मिथ्या कथन या मिथ्या व्यपदेशन करेगा वह अपने को अभियोजन के लिए जिम्मेदार ठहराएगा।
2. यह प्रपत्र पूरा करके समुचित स्थानीय कार्यालय को अविलम्ब भेजा जाना चाहिए।
3. पुनः काम पर आने से पहले अन्तिम प्रमाण-पत्र अवश्य ले लेना चाहिए।

फार्म-13 (क)

(विनियम 89-1 ख)

बीमारी के लिए प्रसुति प्रसुविधा

मैं _____ पत्नी/पुत्री _____ बीमा संख्या _____ घोषणा करती हूँ कि मैं गर्भवस्था/प्रसव/समयपूर्व शिशु-जन्म/गर्भपात से बीमारी के कारण आपको भेजे गए अन्तिम/प्रथम प्रमाण-पत्र की तारीख से काम पर नहीं गई हूँ।

मैं तदनुसार प्रसुविधा का दावा करती हूँ मैं अदायगी स्थानीय कार्यालय में/नकद/मनीआर्डर द्वारा चाहती हूँ।

हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

स्थानीय कार्यालय _____

तारीख _____

वर्तमान पता _____

आवश्यक:

1. यदि कोई व्यक्ति अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रसुविधा प्राप्त करने के प्रयोजन से मिथ्या कथन या मिथ्या व्यपदेशन करेगा वह अपने को अभियोजन के लिए जिम्मेदार ठहरायेगा।
2. यह प्रपत्र पूरा समुचित स्थानीय कार्यालय को अविलम्ब भेजा जाना चाहिए।
3. बीमाकृत व्यक्ति को दुबारा काम पर आने से पहले अन्तिम प्रमाण-पत्र ले लेना चाहिए।

फार्म 14(क)

(विनियम 89ख)

बीमारी के लिए प्रसुति प्रसुविधा

प्रसुविधा का दावा

मैं—पत्नी/पुत्री—बीमा संख्या
घोषणा करती हूँ कि मैं गर्भावस्था, प्रसव, समयपूर्व शिशु जन्म/गर्भापात से बीमारी के कारण आपको भेजे गए अन्तिम, प्रथम प्रमाण-पत्र की तारीख से काम पर नहीं गई हूँ।

तदनुसार मैं 19—के—मास के—उस दिन से प्रसव के कारण बीमार होने का दावा नहीं करती और मैं/मैंने उस दिन से पहले पारिश्रमिक के लिए कोई काम नहीं करूँगी/किया है। मैं तदनुसार प्रसुविधा का दावा करती हूँ।

मैं इनका भुगतान स्थानीय कार्यालय से नकद/मनीआर्डर द्वारा चाहती हूँ।

हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
स्थानीय कार्यालय—

वर्तमान पता—

आवश्यक

1. जो कोई व्यक्ति अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रसुविधा प्राप्त करने के प्रयोजन से मिथ्या कथन या मिथ्या व्यपदेशन करेगा वह अपने को अभियोजन के लिए जिम्मेदार ठहरायेगा।
2. यह प्रपत्र पूरा करके समुचित स्थानीय कार्यालय को अविलम्ब भेजा जाना चाहिए।

गोपनीय

प्रारूप-28

(विनियम 52-क)

प्रेषक

स्थानीय कार्यालय

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

सेवा में

मेसर्स—

बीमाकृत व्यक्ति का नाम—

बीमा संख्या—

विभाग—

महोदय,

आपके कारखाने के उक्त नाम वाले कर्मचारी ने—से
तक की कालावधि के लिए

असमर्थता का प्रमाण-पत्र पेश किया है और यह घोषणा की है कि उसने इस कालावधि के दौरान किसी भी दिन काम नहीं किया है। उसने आगे घोषणा की है कि उसने किसी छुट्टी अवकाश/साप्ताहिक अवकाश/बन्ध के लिए मजदूरी प्राप्त नहीं की है तथा वह उपर्युक्त अशक्तता अवधि के दौरान हड़ताल पर नहीं था।

इस प्रारूप की प्राप्ति के दस दिन के भीतर आप संलग्न प्रारूप पर पुष्टि कर दें तो मैं आपका आभारी रहूँगा।

भवदीय,

प्रबन्धक

गोपनीय

प्रपत्र-28 (पूछताछ) के सम्बन्ध में नियोजक द्वारा भेजे जाने वाला उत्तर

बीमाकृत व्यक्ति का नाम—

बीमा संख्या—

इस टिप्पणी के साथ वापस लिया जा रहा है कि प्रश्नगत कर्मचारी ने—से—तक की अवधि के दौरान किसी भी दिन काम नहीं किया है।

यह भी पुष्टि की जाती है कि

(क) वह—से—तक की अवधि के लिए मजदूरी सहित छुट्टी पर रहा/रही।

(ख) वह—तक मजदूरी सहित अवकाश पर रहा/रही।

(ग) वह—के लिए मजदूरी सहित साप्ताहिक अवकाश पर था/थी।

(घ) वह—से—तक हड़ताल पर था/थी।

(ङ) वह—से—तक मजदूरी सहित कामबन्दी पर था/थी।

यदि बीमाकृत व्यक्ति को उपर्युक्त अवधि के दौरान किसी भी दिन के लिए बाव में मजदूरी दी जाती है तो उसे यथा समय अधिसूचित किया जाएगा।

अनुपस्थिति के प्रथम दिन के पूर्ववर्ती दिन बीमाकृत व्यक्ति के लिए अवकाश दिन था/नहीं था।

हस्ताक्षर—

नाम व पदनाम—

कोड संख्या—

जो लागू न हो उसे काट दें।

गोपनीय

केन्द्रीय कार्यालय उड़ीसा

फार्म 28—क

भुवनेश्वर-751007, दिनांक 10 फरवरी 91

(विनियम 52—क)

प्रेषक

दिनांक :

स्थानीय कार्यालय

सेवा में

मैमर्स—

बीमाकृत महिला का नाम

बीमा संख्या

विभाग

प्रिय महोदय,

आपके कारखाने के उक्त नाम वाले कर्मचारी ने—
से—तक की कालावधि के लिए असमर्थता
का प्रमाण—पत्र पेश किया है और यह घोषणा की है कि उसने उस
कालावधि के दौरान किसी भी दिन काम नहीं किया है।

यह प्रारूप की प्राप्ति के बस दिन के भीतर आप सलग्न
प्रारूप पर पुष्टि कर दी तो मैं आप का आभारी रहूंगा।

भवदीय,

प्रबन्धक

नियोजक द्वारा भेजे जाने वाला उत्तर

बीमाकृत महिला का नाम

बीमा संख्या

इस टिप्पणी के साथ वापस भेजा जा रहा है कि प्रश्नगत
कर्मचारी ने—से—तक की अवधि
के दौरान निम्नलिखित दिनों को छोड़कर किसी भी दिन काम
नहीं किया है।

2. अनुपस्थिति के प्रथम दिन के पूर्ववर्ती दिन को बीमाकृत
महिला के लिए अवकाश था/नहीं था।

हस्ताक्षर

नाम व पदनाम

कोड संख्या

जो लागू न हो उसे काट दें।

ए० सी० जुनेजा,
निदेशक (यो० एव० वि०)

संख्या: 44-बी-34/12/2—हितसाधक एतद्वारा यह अधि-
मुचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण)
विनियम 1950, विनियम 10-ए के अन्तर्गत कटक जिले में
राजबगीचा (कटक) के लिए गठित स्थानीय समिति का पुनर्गठन
किया गया है जो अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी
होगा।

1. विनियम 10-ए (1)/(ए) के अन्तर्गत:

उप श्रम आयुक्त कटक

अध्यक्ष

2. विनियम 10-ए (1/बी) के अन्तर्गत:

जिला श्रम अधिकारी, कटक

सदस्य

3. विनियम 10-ए (1-सी) के अन्तर्गत:

प्रभारी बीमा चिकित्सा अधिकारी

कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, राजाबगीचा

सदस्य

4. विनियम 10-ए (1/डी) के अन्तर्गत:

(नियोजकों के प्रतिनिधि)

1. श्री पी० के० साहू, महाप्रबन्धक

प्रजातन्त्र प्रचार समिति, कटक।

सदस्य

2. श्री वी० एस० अग्रवाल, प्रबन्धक

मैमर्स उत्कल आटो, जोन्ना कटक

सदस्य

5. विनियम 10-ए (1-ई) 2 अन्तर्गत:

(कर्मचारियों के प्रतिनिधि)

1. श्री बाबाजी चरण बेहेरा, महासचिव

उत्कल आटो वर्कर्स यूनियन, जोन्ना, कटक

सदस्य

2. श्री मधुसूदन कर, महासचिव

कटक प्रेस वर्कर्स यूनियन राजा बगीचा

श्रम कालोनी, कटक।

6. विनियम 10-ए (1-एफ) के अन्तर्गत

प्रबन्धक, स्थानीय कार्यालय, कर्मचारी

सदस्य एव

राज्य बीमा निगम, राजाबगीचा, कटक। पदेन सचिव

बी० के० साहू,
क्षेत्रीय निदेशक।

RESERVE BANK OF INDIA

P.L.O.

BANGALORE

PUBLICATION OF THE LIST OF LOST ETC. OF INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION
OF INDIA BONDS FOR THE HALF YEAR ENDED
31ST DECEMBER 1990

PART 'A'—NIL—

PART 'B'

6% Industrial Finance Corporation of India Bonds 1985 (II Series)

No. of the Security	Value in Rs.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name/s of Claimants for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of orders issued	Date of Publication list in which the security was first published
BL. 000092	Rs. 50,000/-	The Karnataka Industrial Cooperative Bank Limited	29-10-1984	The Karnataka Industrial Cooperative Bank Limited	C. O. 69-A dated 27-9-1988	12-11-1988.
BL 000093	Rs. 50,000/-	Do.		Do.	Do.	Do.

CENTRAL BANK OF INDIA

INDUSTRIAL RELATIONS & POLICY WING

CENTRAL OFFICE

Bombay-400 021, the 6th May 1991

CO : PRS : IRP : 91-92-370.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) the Board of Directors of Central Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby make the following regulations further to amend the Central Bank of India (Officers) Service Regulations, 1979.

2. Short title and commencement: (1) These regulations may be called the Central Bank of India (Officers) Service (Amendment) Regulations 1990. (2) The amendments shall come into force on and from 1st November, 1987 unless otherwise specified against any such Regulations.

3. The details of the amendments are given in Annexure I.

M. K. VENKATESHWARAN,
General Manager (Prs. & Comp.).

CENTRAL BANK OF INDIA (OFFICERS') SERVICE
REGULATION 1979

REGULATION, 21-DEARNESS ALLOWANCE

On and from 1-11-1987, Dearness Allowance Scheme shall be as under :—

- (i) Dearness Allowance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumer Price Index (General) Base 1960=100).
- (ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates :
 - (i) 0.67% of "pay" upto Rs. 2500/- plus,
 - (ii) 0.55% of "pay" above Rs. 2500/- to Rs. 4000/- plus,
 - (iii) 0.33% of "pay" above Rs. 4000/- to Rs. 4260/- plus,
 - (iv) 0.17% of "pay" above Rs. 4260/-.

REGULATION, 22(2)-HOUSE RENT ALLOWANCE

On and from 1-1-1990, where an officer is not provided any residential accommodation by the bank he shall be eligible for House Rent Allowance at the following rates :—

Column I	Column II
Where the place of work is in	HRA payable shall be
(i) Major "A" Class Cities specified as such from time to time in accordance with the guidelines of the Government & Project Area Centres in Group "A"	14% of the pay subject to a maximum of Rs. 450/- p.m.
(ii) Other places in Area I and Project Area Centres in Group "B"	12% of the pay subject to a maximum of Rs. 375/- p.m.
(iii) Area II and state capitals and capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above	10% of the pay subject to a maximum of Rs. 325/- p.m.
(iv) Area III	8% of the pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.

Provided that if an officer produces a rent receipt, the House Rent Allowance payable to him shall be the actual rent paid by him for his residential accommodation in excess over 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or at the rates indicated in Column II with maximum of 175% of the maximum House Rent Allowance payable otherwise, whichever is lower.

EXPLANATION :

With effect from 1-4-1990

1(b) Where accommodation has been hired by the bank, contractual rent payable by the bank or rent calculated accordance with the procedure in (a) above, whichever is lower.

2. In this Regulation and in Regulation 23 Area I, Area II and Area III shall mean as under :

Area I—Places with a population of more than 12 lakhs.

Area II—All cities other than those included in Area I which have a population of 1 lakh and more.

Area III All places not included in Area I and Area II.

REGULATION 24—MEDICAL AID

(1) An officer shall be eligible for reimbursement of medical expenses actually incurred by him in respect of himself and his family on the following basis namely :—

(a) MEDICAL EXPENSES :

On and from 1-1-1990 reimbursement of medical expenses of an officer in the pay range specified in column I of the Table below and his family may be made on the strength of the officer's own certificate of having incurred such expenditure supported by a statement of accounts for the amounts claimed subject to the limit specified in column 2 thereof :

TABLE

Pay Range	Reimbursement limit p.a.
1	2
Rs. 2100/- to Rs. 3060/- p.m.	Rs. 750/-
Rs. 3061/- p.m. and above	Rs. 100/-

Note :

An officer may be allowed to accumulate unavailed medical aid so as not to exceed at any time three times the maximum amount provided above.

EXPLANATION :

"FAMILY" of an officer for the purpose of this regulation shall consist of spouse, wholly dependent children and wholly dependent parents only.

(b) HOSPITALISATION EXPENSES :

(i) On and from 1-4-1989, hospitalisation charges will be reimbursed to the extent of 90% in the case of an officer and 60% in the case of his family members in respect of all cases which require hospitalisation. Reimbursement on the basis of bills, vouchers, etc., of expenses incurred shall be subject to ceilings determined from time to time in accordance with the guidelines of the Government.

(ii) The officers or members of their families (as the case may be) are expected to secure admission in a Government or Municipal Hospital or any private hospital i.e. hospitals under the management of a Trust, Charitable institution or a religious mission. But in unavoidable circumstances the officers or their family members or both may avail themselves of the services of one of the approved private nursing homes or private hospitals approved by the

Bank. Reimbursement in such cases should, however, be restricted to the amount which would have been reimbursable in case the patient was admitted to one of the hospitals mentioned above.

(iii) On and from 1-4-1989, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and Bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 90% in case of an officer and 60% in the case of his family members :—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumor, Small Pox, Pleurosy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment.

GUIDELINES OF THE GOVERNMENT UNDER REGULATION 24

Reimbursement of hospitalisation expenses under Regulation 24(1)(b)(i) shall be in terms of Hospitalisation Scheme laid down under the Bipartite Settlement for Workmen employees. Subject to the following limits :

Scale of Officer	Limits
(i) Junior Management Grade Scale I and middle Management Grade Scales II and III	One and half times the limits laid down under the Hospitalisation Scheme applicable to workmen employees.
(ii) Senior management Grade Scales IV and V and Top Executive Grade Scales VI and VII	Twice the limits laid down under the Hospitalisation Scheme applicable to workmen employees.

REGULATION 33(4)—PRIVILEGE LEAVE

On and from 1-1-1990, Privilege Leave may be accumulated upto not more than 240 days except where leave has been applied for and it has been refused.

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th April 1991

THE COST AND WORKS ACCOUNTANTS (AMENDMENTS) REGULATIONS, RULES, 1991

No. CWR(1)/91.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of Section 39 of the Cost and Works Accountant, Act, 1959 (23 of 1959), the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has resolved to make certain amendments further to amend the Cost and Works Accountants Regulations, 1959;

And whereas the said Council, with the approval of the Central Government, has proposed the amendment specified below for the said purpose;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959), the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

(2) Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposal may forward the same, for consideration by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India, within the forty-five days from the date of publication of the proposal to the Institute of Cost and Works Accountants of India, 12, Sudder Street, Calcutta-700016.

1. (i) These regulations may be called the "Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 1991;

- (ii) These regulations shall come into force on and from the date of publication of this notification in the Gazette of India

PROPOSAL

2. In the Cost and Works Accountants Regulations, 1959—Regulation 55 will be read as follows:—

"55. Number of members to be elected—(1) The number of members to be elected from each regional constituency shall be one member for such number of members in the constituency as may be determined by dividing the total number of members as determined in accordance with sub-regulation (4) by twelve members, (hereinafter referred to as the maximum number of members, to be elected to the Council in pursuance of sub-section (2) of section 9 of the Act.

Provided that each constituency shall have at least one person elected therefrom to the Council.

(2) In case the resultant number of members for each constituency, after having added up in terms of absolute number without considering the fraction, is less than the maximum number of members, the fraction in respect of a region with the highest fraction shall be counted as one. In case the total is still less than the maximum number of members, the fraction in respect of the region with the next highest fraction shall be counted as one. This procedure shall be continued until the total number of members comes equal to the maximum number of members.

(3) In case the resultant number of members for each constituency, after having added up is less than the maximum number of members and where there are more than one regional constituencies with exactly the same fraction, the constituency with a higher number of members shall have precedence in the matter of conversion of the fraction into one.

(4) The total number of members referred to in sub-regulation (1) shall be determined with reference to the number of members whose names are borne on the Register of Members of the Institute on a date immediately five months before the date on which the list of members eligible to vote in any election, is published.

Explanation—For the purposes of this Regulation where the proviso to sub-regulation (1) becomes applicable, the procedure contained in sub-regulations (1) and (2) shall be gone through after—

- (i) deducting the number of members in such constituency from the number of members referred to in sub-regulation (4) and
- (ii) deducting the number of one person, to be elected in pursuance of the said proviso, from the maximum number of members to be elected to the Council.

N.B. :

The number and date of publication of the Principal Regulation: CWR (5)/67 dated 23-11-1967. Subsequent amendment thereto: NIL

The 17th May 1991

No. 16-CWR(1106-1108)/91.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by Sub-section (1)(a) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri K. Subramaniam, BA, BCOM, ACMA, FICWA, Plot 210, Block 3, Krishna Nivas, Wadala, Bombay-400031 (Membership No. 485) with effect from 1st October 1990 (2) Shri D. V. Venkatasubbaiah FICWA, 48, 1st Cross Road, AD Block, Srirampuram, Bangalore-560021 (Membership No. 164), with effect from 7th March 1989 (3) Shri K. S. Varma, BSC, FICWA,

Financial Advisor, Rubber Board, Kottayam-686001 (Membership No. 3139) with effect from 27th December 1989, on account of death.

No. 18-CWR(251-253)/91.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members, the names of (1) Shri T. S. Ranganathan, BSC, BL, FCA, FCMA, FICWA, 'Manirang', 3, Thiruvengadam Street, R. A. Puram, Madras-600028, (Membership No. 437) with effect from 1st April 1991, (2) Shri P. K. Das, BCOM (HONS), AICWA, Senior Accounts Officer, Garden Reach Shipbuilders & Engineers Ltd., 43/46, Garden Reach Road Calcutta-700024 (Membership No. 5651) with effect from 3rd May, 1991 (3) Shri Sukhendu Purkait, BSC (HONS), AICWA, Assistant Controller of Accounts Garden Reach Shipbuilders & Engineers Ltd., 43/46, Garden Reach Road, Calcutta-700024 (Membership No. 4118) with effect from 6th May, 1991.

S. R. ACHARYA,
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 15th May 1991

No. N-15/13/6/1/91-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16th May, 1991 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1957 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Kerala namely:—

"The areas within the revenue Village of Cherukunnu in Taluk and District Kannur".

The 17th May 1991

No. N-12/13/1/90-P&D.—In exercise of the powers conferred by section 97 of the Employees' State Insurance Act, 1948, (34 of 1948), as amended, the Employees' State Insurance Corporation hereby makes the following Regulations to amend the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the same having been previously published in the Gazette of India, Part III Section 4 dated November 24, 1990 inviting suggestions or objections, if any, as required by sub-Section (1) of the said Section, namely:—

1. (i) These Regulations may be called the Employees' State Insurance (General) (Second Amendment) Regulations, 1991.
- (ii) These will come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Regulation 31-A, the words "6 per cent per annum" shall be substituted by the words "twelve per cent per annum".

3. The existing Regulation 31-B shall be substituted by the following:

"31-B Recovery of Interest—Any interest payable under Regulation 31-A may be recovered as an arrear of land revenue or under Section 45-C to Section 45-I of the Act.

4. After Clause (1) of Regulation 32, the following new sub-Regulation shall be added:—

"(1) (a) Register of employees engaged by immediate employer—Every immediate employer shall maintain a register in Form 7 in respect of every employee engaged by him and submit the same to the principal employer before the settlement of any amount payable under sub-Section (1) of Section 41 of the Act."

5. In Clause (f) of Regulation 45 the words "funeral benefit" shall be substituted by the words "funeral expenses".

6. Sub-Clause (1) (b) of Regulation 52 shall be replaced by the following :—

"(b) in the case of funeral expenses not later than 15 days".

7. Sub-Clause 1(ii) of Regulation 80 shall be substituted by the following :—

"(i) that the person claiming is a dependent entitled to claim as provided in Rule 58 of the ESI (Central) Rules, 1950."

8. In Sub-Clause 1(iv) of Regulation 80 the words "Para 8 of the First Schedule to the Act" shall be substituted by the words "Rule 58 of the ESI (Central) Rules, 1950".

9. The heading of Regulation 76-A shall be substituted by "Submission of claims for permanent disablement".

10. The words "the periodical payments" appearing in Clause (2) and (3) of Regulation 76-B shall be substituted by the words "Permanent disablement benefit".

11. In Sub. Clause (5) of Regulation 76-B the words "periodical payment of" shall be substituted by the word "the"

12. The words and figures "12, 13 and 14" appearing in Regulation 89-B shall be substituted by the words and figures "12-A, 13-A and 14-A" respectively.

13. Existing Regulation 52-A shall be re-numbered as 52-A (1) and the words "or maternity benefit" appearing in it shall be omitted.

14. The following new sub-Regulation 52-A (2) shall be added after the Regulation 52(A)(1) : "(2) Every employer shall furnish to the appropriate office such information and particulars in respect of the abstention of an insured woman from work for which maternity benefit as provided under the Act has been claimed or paid, in Form 28-A and within such time as the said office may in writing require in the said form."

15. The main heading "FUNERAL BENEFIT" given above Regulation 95-B shall be substituted by "FUNERAL EXPENSES".

16. In Sub-Clause (b) of Regulation 95-B the words "funeral benefit" shall be substituted by "funeral expenses".

17. In the title and clause (1) of Regulation 95-E the words "Funeral Benefit" shall be substituted by "Funeral Expenses".

18. The words "Funeral Benefit" appearing at the end of Regulation 95-C shall be substituted by "Funeral Expenses".

19. After Regulation 103-A the following new Regulation 103-B shall be inserted :—

Regulation 103-B

(1) *Medical Benefit to Insured person who ceases to be in insurable employment on account of Permanent Disablement :*

An insured person who ceases to be in insurable employment on account of permanent disablement caused due to employment injury shall continue to receive medical benefit for himself and his/her spouse till the date on which he would have vacated the employment on attaining the age of superannuation had he not sustained such permanent disablement, if he produces a certificate from the employer/a declaration in the form which may be specified by the Director General for the purpose.

(2) *Medical Benefit to retired insured persons.*

An insured person who has attained the age of superannuation shall be eligible to receive medical benefit for himself and his/her spouse, if he produces a certificate from
3—109GI/91

the employer in the form which may be specified by the Director General for the purpose.

(3) An employer shall, on demand, issue the certificate as referred to in sub-regulation (1) and (2) to an employee who had been employed by him.

20. Regulation 108-Omitted.

21. Schedule I and Schedule II to the ESI (General) Regulations, 1950 omitted.

REGULATION FORMS

The following changes shall be effected in the Regulation Forms prescribed under ESI (General) Regulations 1950 :—

1. Regulation Forms 1, 1A and 1B

Note given in Form 1 (Para 1 of the note below Col. 13) Form 1A and Form 1B shall be substituted by the following :—

"NOTE :—According to Section 2, clause (11) of the ESI Act 1948, family means all or any of the following relatives of an insured person namely :— (i) a spouse; (ii) a minor legitimate or adopted child dependent upon the I.P.; (iii) a child who is wholly dependent on the earnings of the IP and who is—(a) receiving education, till he or she attains the age of 21 years, (b) an unmarried daughter; (iv) a child who is infirm by reason of any physical or mental abnormality or injury and is wholly dependent on the earnings of the IP, so long as the infirmity continues; (v) dependent parents".

2. Form 01 : Form 01 shall be replaced by the enclosed new Form 01.

3. Form 12 : Form 12 shall be replaced by the enclosed new Form 12.

4. Form 12A : New Form has been devised for maternity benefit for sickness. Form 12-A is enclosed.

5. Form 13 & 14 : After first para of existing Form 13 and Form 14 the following para is added :—

"I have not been in receipt of wages on account of leave, holidays. I was not on strike during the period of certified abstention for which benefit is claimed".

6. Form 13A : New Form has been devised for maternity benefit for sickness. Form 13-A is enclosed.

7. Form 14 A : New Form has been devised for maternity benefit for sickness. Revised Form 14 A is enclosed.

8. Form 25-A : In the existing Form No. 25 A the words "Funeral benefit" shall be substituted by the words "Funeral expenses" wherever they occur.

9. Form 28 : The existing form 28 shall be replaced by enclosed new form 28.

10. Form 28-A : New Form has been devised for furnishing information and particulars by the

employer in respect of the absention of an insured woman from work for which maternity benefit has been claimed. The Form 28 A is enclosed.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION EMPLOYER'S REGISTRATION FORM

(Regulation 10-B)

*Employer's Code No.
(if allotted previously)

1. Name of the Factory/Establishment
2. Full Registered address
3. (a) Telephone No. if any.....
(b) Telegraphic address if any.....
4. Location of Factory/Establishment.....
(a) State.....
(b) District
- (c) Town or Village.....
- (d) Nearest Railway Station.....
- (e) Name of Road or Locality Municipal No. if any.....
- (f) Nearest Post Office, where factory/establishment is situated.....
- (g) Police station having jurisdiction in area where the factory/Establishment is situated
5. Exact nature of work/business carried on.
6. (a) Year of Registration of the factory under the factories Act/Establishment under shops and Establishment Act or under any other Act (please give name of the relevant Act).....
(b) Licence No. (Factory)/Certificate No. (Establishment).....
(c) The date of starting of the Factory/Establishment
7. Nature of proprietorship (whether Registered Joint Stock Company; Individual Ownership, Partnership or Private registered company).....
8. Principal Employer
- (a) Name of the Manager declared as such for purposes of the Factories Act in case of a factory and for the purpose of the shops and Establishment Act or any other relevant Act.....
- (b) Name of residential address of Managing Director/Managing Agent/Managing Partner/Owner or Occupier
- (c) If it is a registered Joint Stock Company, name and address of the Chairman of the Board of Directors
- (d) Name and residential address of each of the Directors or registered Joint Stock Company, if a partnership concern, name and address of each of the partners.....
9. (a) Whether power is used in the Factory/Establishment, if so, since when.....
(b) In case of Factory whether licence issued under Section 2(m) (i) or 2(m) (ii) of the Factories Act 1948.....
10. Is any work/business carried on through contractors or other immediate employers, if any
(a) If so, nature of work/business.....
(b) No. of persons so employed for wages :—
(i) Males..... (ii) Females
- (iii) Total
11. If any Branch office of Factory/Establishment is functioning for sale/purchase administration and other business at place other than the place mentioned at item 4 or anywhere in India, please furnish name(s) and address (es) of unit (s) and No. of employees in each (please attach a separate sheet if necessary)
12. (a) Total number of persons employed for wages including those employed through immediate employers including a contractor whether manual, clerical, supervisory, those connected with administration or purchase of raw materials or distribution or sale of products whether permanent or temporary.
(i) Males ... (ii) Females (iii) Total
- (b) In case of factory the maximum number of persons that can be employed on any one day in the factory as stated in the licence
13. Total number of employees (including those through immediate employers including a contractor whether manual, clerical, supervisory, connected with administration or purchase of raw materials or distribution or sales of products of the Factory/Establishment whether permanent, or temporary) each of whose wage (excluding remuneration for overtime work) are Rs. 1600/- per mensem or less (i) Males (ii) Females (iii) Total
14. (a) Total Amount of wages paid in the preceding month to the employees as given in query No. 13 above
- (b) The number of employees to whom wages in (a) were paid
15. (i) The first date since **.....on which 10/20 *** persons were employed for wages in Factory/Establishment premises.....

(ii) Whether 10/20*** or more persons were employed for wages continuously—

(iii) A monthwise statement of maximum number of

persons employed for wages on any day since the first date mentioned in (i) above is furnished in the table given below :

Year Jan. Feb. Mar. April May June July Aug. Sept. Oct. Nov. Dec.

1951
to
1984
1985
1986
1987
1988
1989
1990
1991

I hereby declare that the statement given above is correct to the best of my knowledge and belief.

Date

Signature

Place

Designation.....

* To be indicated in case of a factory or an establishment to which the Act applied at any time previously and to whom an employer's code number was allotted.

**This date should be date one year prior to the date of enforcement of the provisions of the ESI Act, 1948 to the factory/establishment. In case of a factory/establishment to which the Act previously applied but has ceased to apply for the time being this date will be the date when the Act last applied.

***Score out which ever is not applicable. In case of a factory/an establishment using power in the manufacturing process the number applicable is 10 persons or more. In case of a factory or an establishment engaged in manufacturing process without using power or any other establishment the number applicable is 20 or more.

Note (1) In answer to item 5 complete information should be given with regard to the nomenclature of industry or business and the exact nature of work carried on as part of that industry or business, for example instead of giving the nature of business "Textiles", "Chemicals" "Engineering", "Shops", "Road Transport" etc. the exact nature of work should be stated such as textile-cotton chemicals-manufacture of matches, Engineering-manufacture of electric motors, "Shop-Shoes" "roadmotor, transport" "transporting of goods" etc.

Note (2) Changes in the names and address of persons mentioned in item 8 (a) to (d) should invariably be intimated promptly to the Regional Office of the Corporation as soon as these changes take place.

Note (3) "Power" shall have the meaning assigned to it in the Factories Act, 1948.

Note (4) "Immediate employer", in relation to employees employed by or through him, means a person who has undertaken the execution, on the premises of a factory or an establishment to which this Act applies or under the supervision of the principal employer or his agent, of the whole or any part of any work which is ordinarily part of the work of the factory or establishment of the principal employer or is preliminary to the work carried on in or incidental to the purpose of, any such factory or establishment, and includes a person by whom the services of an employee who has entered into a contract of service with him are temporarily lent or let on hire to the principal employer and includes a contractor".

Note (5) "Principal employer" means—

(i) In a factory, the owner or occupier of the factory and includes the managing agent of such owner or occupier, the legal representative of a deceased

owner or occupier and where a person has been named as the manager of the factory under the Factories Act, 1948, the person so named;

(ii) In any establishment under the control of any department of any Government in India, the authority appointed by such Government, in this behalf or where no authority is so appointed, the head of the Departments;

(iii) In any other establishment any person responsible for the supervision and control of the establishment.

Note (6) Occupier of a factory/establishment means the person who has an ultimate control over the affairs of the factory/establishment and when the said affairs are entrusted to a managing agent, such agent shall be the occupier of the factory/establishment.

Note (7) "Employee" means any person employed for wages in or in connection with the work of a factory or establishment to which this act applies and

(i) Who is directly employed by the principal employer or any work incidental or preliminary to or connected with the work of the factory or establishment whether such work is done by the employee in the factory or establishment or elsewhere; or

(ii) Who is employed by or through an immediate employer on the premises of the factory or establishment or under the supervision of the principal employer or his agent on work which is ordinary part of the work of the factory or establishment or which is preliminary to the work carried on in or incidental to the purpose of the factory or establishment; or

(iii) Whose services are temporarily lent or let on hire to the principal employer by the person with whom the person whose services are so lent or let on hire has entered into a contract of services and includes any person employed for wages on any work connected with the administration of the factory or establishment or any part, department or branch thereof or with the purchase of raw materials for, or the distribution or sale of the products of the factory or establishment or any person engaged as an apprentice, not being an apprentice engaged under the Apprentices Act, 1961 or under the Standing Orders of the establishment : but does not include —

(a) Any member of the Indian Naval, Military or Air Forces; or

(b) any person so employed whose wages (excluding remuneration for overtime work) exceeds such wages as may be prescribed by the Central Government a month :

Provided that an employee whose wages (excluding remuneration for overtime work) exceeds such wages as may be prescribed by the Central Government, a month at any time after (and not before) the beginning of the contribution period shall continue to be an employee until the end of that period.

Note (8) "Wages" means all remuneration paid or payable in cash to an employee if the terms of the contract of employment express or implied were fulfilled and includes any payment to an employee in respect of any period of authorised leave, lockout, strike which is not legal or lay off and other additional remuneration, if any paid at intervals not exceeding two months but does not include:

- any contribution paid by the employer to any pension fund or provident fund or under this Act;
- any travelling allowance or the value of any travelling concession;
- any sum paid to the person employed to defray special expenses entailed on him by the nature of his employment; or
- any gratuity payable on discharge.

Form No. 12

(Regulation 63 read with Section 63)

SICKNESS OR TEMPORARY DISABLEMENT BENEFIT

Claim for benefit

I, _____ s/w/d _____ Insurance No. _____ hereby State that because of sickness/Temporary Disablement, I have not been at work since _____ I have not been in receipt of wages for leave, holidays.

Further, I state that I was not on strike during the period of certified abstention on account of sickness/Temporary Disablement i.e. from _____ to _____ for which benefit is claimed.

*I no longer claim to be sick/Temporary disabled from _____ and I shall/did not take up any work for remuneration before that day.

I claim benefit accordingly, I desire payment in cash at Local Office/by money order.

Present employer (if changed) _____ dept.
_____ present address (if changed) _____
Date _____

Signature/Thumb Impression

Local Office _____

Accident case only

Date, time & place of accident _____ If a notice of the accident had not been given to the employer state briefly, on a separate paper how the accident happened

Date :

Signature/Thumb Impression

*Strike out if not applicable.

IMPORTANT

- Any person who makes a false statement or representation for the purpose of obtaining benefit whether for himself or for some other person renders himself liable to prosecution.
- This form should be completed and sent WITHOUT DELAY to the appropriate Local Office.
- A final certificate must be obtained before resuming work.

Form No. 12(A)

(Regulation 89-B)

MATERNITY BENEFIT FOR SICKNESS

Claim for benefit

I, _____ w/d of _____ Insurance No. _____ hereby state that because of sickness due to pregnancy/confinement/prematur birth of child/mis-carriage, I have not been at work since _____.

*I no longer claim to be sick due to confinement from _____ and I shall/did not take up any work for remuneration before that day.

I claim benefit accordingly. I desire payment in cash at Local Office/by money order.

Present employer (if changed) _____ Department
_____ Present address, (if changed) _____

Date _____

Signature or thumb impression

Local Office _____

*Strike out if not applicable.

IMPORTANT

- Any person who makes a false statement or representation for the purpose of obtaining benefit whether for himself or for some other person renders himself liable to prosecution.
- This form should be completed and sent WITHOUT DELAY to the appropriate Local Office.
- A final certificate must be obtained before resuming work.

Form—13(A)

(Regulation 89-B)

MATERNITY BENEFIT FOR SICKNESS

I, _____ w/d of _____ Insurance No. _____ declare that, because of Sickness due to Pregnancy/confinement/premature birth of child/mis-carriage, I have not been at work since the date of last/first certificate sent to you.

I claim benefit accordingly. I desire payment in cash at Local Office/by money order.

Signature or thumb impression

Local Office _____

Date :

Present Address _____

IMPORTANT

- Any person who makes a false statement or representation for the purpose of obtaining benefit whether for himself or for some other person renders himself liable to prosecution.
- This form should be completed and sent WITHOUT DELAY to the appropriate Local Office.
- The Insured person should obtain a Final Certificate before resuming work.

Form—14(A)
(Regulation 89-B)

MATERNITY BENEFIT FOR SICKNESS

Claim for benefit

I, _____ w/d of _____ Insurance No. _____ declare that, because of Sickness due to Pregnancy/confinement/premature birth of child/mis-carriage, I have not been at work since the date of last/first certificate sent to you.

I no longer claim to be sick due to confinement from _____ day of _____ 19____ and I shall/did not take up any work for remuneration before that day.

I claim benefit accordingly. I desire payment in cash at Local Office/by money order.

Signature or thumb impression
Local Office—

Date : _____

IMPORTANT

- Any person who makes a false statement or representation for the purpose of obtaining benefit whether for himself or for some other person renders himself liable to prosecution.
- This form should be completed and sent WITHOUT DELAY to the appropriate Local Office.

CONFIDENTIAL

Form—28
(Reg. 52-A)

From
The Manager
_____ Local Office

E.S.I. Corporation

To
M/s. _____

Name of the Insured Person—

Insurance No. _____

Department _____

Dear Sir/s

The above named employee of your factory has submitted a certificate of incapacity for the period from _____ to _____ and has declared that he/she has not worked on any day during this period. He/she has further declared that he/she has NOT received wages for any Leave/Holiday/Weekly off/Lay Off and was not on strike for the above period of incapacity.

I shall be grateful for your confirmation on the form appended within 10 days of the receipt of this form.

Yours faithfully,
MANAGER

REPLY TO BE FURNISHED BY THE EMPLOYER IN
RESPECT OF FORM-28 QUERRY

NAME OF THE INSURED PERSON—

INSURANCE NUMBER _____

Returned with the remarks that the employee in question has not worked on any day during the period from _____ to _____.

It is further confirmed that—

- He/She had remained on leave with wages for the period from _____ to _____.
- He/She had remained on holidays with wages from _____ to _____.
- He/She was weekly off with wages for _____.
- He/She was on lay off with wages from _____ to _____.
- He/She was on strike from _____ to _____.

If the I.P. is paid any wages for any of the days during the above period subsequently the same will be notified to you in due course.

2. The day preceding the first day of absence *was/was not a holiday for the Insured person.

Signature
Name & Designation
Code No. _____

*strike out which is not applicable.

CONFIDENTIAL

Form 28-A
(Regulation 52-A)

From
_____ Local Office

To
M/s. _____

Name of the Insured Woman—

Ins. No. _____

Department _____

Dear Sir/s,

The above named employee of your factory has submitted a certificate of incapacity for the period from _____ to _____ and has declared that she has not worked on any day during this period.

I shall be grateful for your confirmation on the form appended, within 10 days of the receipt of this form.

Yours faithfully,
MANAGER

REPLY TO BE FURNISHED BY THE EMPLOYER

Name of the Insured Woman—
Insurance No. _____

Returned with the remark that the employee in question has not worked on any day during the period from _____ to _____ except on the following day/days.

2. The day preceding the first day of absence *was/was not a holiday for the insured woman.

SIGNATURE—

NAME & DESIGNATION—

*Strike out which is not applicable

A. C. JONEJA
Director (Plg. & Dev.)

REGIONAL OFFICE, ORISSA

Bhubaneswar-751007, the 19th February 1991

No. 44-V.34/12/2/Bft.—It is hereby notified that the Local Committee, Rajabagicha (Cuttack) in the district of Cuttack constituted under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulations 1950 has been reconstituted as under with effect from the date of issue of this Notification.

CHAIRMAN

- (1) Under Regulation 10-A(1)(a) :
Deputy Labour Commissioner, Cuttack

MEMBERS

- (2) Under Regulation 10-A(1)(b) :
District Labour Officer, Cuttack
- (3) Under Regulation 10-A(1)(c) :
Insurance Medical Officer in charge
E.S.I. Dispensary, Rajabagicha
- (4) Under Regulation 10-A(1)(d) :
(Employers' Representatives)

(i) Sri P. K. Sahoo, General Manager
Prajatantra Prachar Samiti, Cuttack

(ii) Sri D. M. Agrawalla, Manager
M/s. Utkal Auto, Zobra, Cuttack

(5) Under Regulation 10A(1)(e) :
(Employees' Representatives)

(i) Sri Babaji Charan Behera, General
Secretary, Utkal Auto Workers'
Union, Zobra, Cuttack

(ii) Sri Madhu Sudan Kar, General Secretary
Cuttack Press Workers' Union
Rajabagicha, Labour Colony, Cuttack

MEMBER & EX-OFFICIO SECRETARY

(6) Under Regulation 10A(1)(f) :

The Manager, Local Office
E.S.I. Corporation, Rajabagicha,
Cuttack.

B. K. SAHU
Regional Director

OFFICE OF THE PUNJAB WAKF BOARD

Ambala Cantt. the 24th April, 1991

Under Rule 5 of the Punjab Wakf Rules

No. Wkfa/7(28)/91HR—The Administrator vide his order dated 9-1-91 has sanctioned the exchange of Wakf land with Smt. Bhagwani's land as under:—

Detail of Wakf land to be transferred to Smt. Bhagwani w/o Shobh Raj at Village Kalupur Tehsil & Distt. Sonapat				Detail of land of Smt. Bhagwani to be transferred Punjab Wakf Board at Village Kalupur Teh. & Distt. Sonapat			
Khasra No. 2342/1958/889 Min.				Khasra No. 2343/1958/889			
Area OB—6B(East	West	South	North)	Area OB—6B(East	West	South	North)
3½	6	8½	8	12	12	4	4
(Mark F)				(Mark E)			

In this connection notice under Rule 5 of the Punjab Wakf Rules, 1964 is published for inviting objections from the interested persons within 30 days from the date of publication. In case no objection is received by the Secretary, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt. the order of the Board will become absolute.

M. M. H. SIDDIQUI
Secretary
Punjab Wakf Board
Ambala Cantt.

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay-400020, the 12th April, 1991

No. UT/DPD 545-A/SPD-156/90-91.—The Provisions of the Capital Growth Unit Scheme (CGUS-91), formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on March 4, 1991 are published here below.

CAPITAL GROWTH UNIT SCHEME

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust hereby makes the following Unit Scheme :

1. Short title and commencement—

(1) This Scheme shall be called the Capital Growth Unit Scheme.

(2) It shall come into force on April 15, 1991 and shall gradually extinguish over a period of 7 years.

(3) Units will be on sale for a period of two months from April 15, 1991 to June 15, 1991.

Provided, that the Chairman or Executive Trustee may suspend or extend the sale of units under the scheme at any time after the commencement of the scheme by giving a 7 days' notice in leading newspaper or in such other manner as may be decided.

2. Objective.—This Scheme primarily aims at securing for the unitholders capital appreciation on their investment in Units by investing the funds of the scheme in equity shares and convertible bonds/debentures of companies with good growth prospects.

3. Definitions.—In this Scheme, unless the context otherwise requires—

(a) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

(b) "Applicant" means an applicant under the scheme and shall include all those categories of persons more particularly described in clause 5 hereinafter mentioned.

(c) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on

which the Trust after being satisfied that such application is in order, accepts the same;

- (d) "body corporate" includes a society registered under the Societies Registration Act, 1860 or established under any State or Central Law for the time being in force, such society being hereinafter referred to as "a society"; This expression shall however not include companies of any nature whatsoever.
- (e) "eligible trust" shall have the meaning assigned to it under clause (aaa) of Regulation 2 of the Regulations.
- (f) "lock-in-period" shall mean a period of 3 years from the date of closure of sales of units under the Scheme after which repurchases will commence in the regulated manner stipulated hereunder.
- (g) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;
- (h) "number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding;
- (i) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being, recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (j) "scheme" means the Capital Growth Unit Scheme, as amended from time to time;
- (k) "Unit" means one undivided share of the face value of hundred Rupees in the unit capital of this scheme;
- (l) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

4. Face value of each unit.—The face value of each unit shall be one hundred rupees.

5. Applications for units

(1) Applications for units may be made by the following classes of persons:

- (i) An individual or individuals, (not exceeding 2) none of whom is a minor;
- (ii) A body corporate as defined hereinbefore;
- (iii) A parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor; and
- (iv) An eligible trust as defined in the Regulations in accordance with and to the extent provided in the Regulations.

(2) An application shall not be made jointly on behalf of a minor and another person.

(3) Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Trust and, as already stated the total number of applicants in each case shall not exceed two.

(5) The minimum number of units applied for shall be 50 units and further applications for further units shall be in multiples of 10 units.

6. Payment for units

(a) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque, draft. Cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated.

Provided, however that the applicant who wishes to apply for units from a place other than where the Trust has its office, he may do so by sending to the nearest office of

the Trust, the application with the Bank draft for number of units applied for deducting therefrom charges payable for the bank draft.

(b) If the payment is made by cheque or draft, the acceptance date will, subject to such cheque or draft being realised, be the date on which the cheque or draft, as the case may be, is received by the Trust or by a designated branch of an authorised bank. If payment is made by draft the acceptance date will subject to such draft being realised be the date of issue of such draft provided the application is received by the Trust or a designated branch of an authorised bank within such time as may be deemed reasonable by the Trust. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for and other charges payable by the applicant, he shall be issued the number of units in multiples of ten nearest to the number applied for by him and the balance, if any, due to him shall be refunded to him at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(c) A unit certificate will be sent by registered post with or without acknowledgement due to the address given by the applicant; and the Trust will not incur any liability for loss, damage, mis-delivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.

(d) A unit certificate issued by the Trust to an eligible trust or institution or corporate body shall be made out in the name of the trust, institution or body corporate.

7. Application by and registration of bodies corporate societies eligible institutions/trusts and minors—

(1) Eligible trusts, bodies corporate and societies may be registered as unitholders.

(2) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided in such-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made of such adult in the application form without any further proof.

(3) Applications by eligible trusts, societies or other corporate bodies shall be accompanied by the relevant documents showing the applicant's competence to invest in units, such as, Memorandum and Articles, Trust deed Bye-laws, etc., an authorised copy of the resolution by the managing body and a copy of the requisite power of attorney.

8. Sale of unit

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement therefor. As soon as possible thereafter, the Trust shall issue to the applicant one unit certificate representing the units sold to him, or, if the applicant so desires, such number of certificates for such denominations in multiples of ten as he may specify, provided each certificate shall be for a minimum of hundred units.

9. Repurchase of units

(1) The Trust shall commence repurchase of units under the Scheme after a lock in period of 3 years from the date of closure of sales of units under the Scheme more particularly defined hereinabove, 1994. The books of the Trust will be closed in the month of June for accounts purposes and therefore repurchases will commence on and after July 1, 1994.

Repurchases of units will be in a phased manner over a period of 5 years after the lock in period of 3 years. The Trust will effect a repurchase of 20% of the investment

made annually alongwith the capital gains accrued there-under on the 1st month of each year as detailed below :

Percentage of Invt.	Date of repurchase
20	1-7-94
20	1-7-95
20	1-7-96
20	1-7-97
20	1-7-98

Units to the extent indicated in the above chart will be repurchased at the repurchase price fixed for that month and the proceeds sent to the unitholders in the 1st week of July of the respective year.

Unitholders however shall also have the option to repurchase the entire units standing to their credit after the lock in period of three years at the repurchase price fixed by the Trust on a monthly basis. The repurchase effected in such a manner will be subject to the following provisions.

(a) The Trust shall after the expiry of the lock in period and on receipt by it of the unit certificate with a form on the reverse duly filled in repurchase all the units comprised in the certificate and the certificates so received will be retained by the Trust for cancellation.

(b) The contract for repurchase will be deemed to have been concluded on the acceptance date..

(c) Where an application for repurchase of units has been accepted by the Trust, the Trust shall send the applicant an acknowledgement thereof.

(d) Payment for the units repurchased by the Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application form. No interest shall on any account be payable on the amount due to the applicant.

10. Restrictions on sale and repurchase of units—

Notwithstanding anything contained in any other provisions of this scheme, the Trust shall not be under an obligation to sell or repurchase units

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period (as notified by the Trust) when the register of unit holders is closed in connection with the annual closing of the books and accounts; and
- (iii) After the date of termination of this scheme is notified by the Trust.

Explanation—

For the purposes of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has offices, or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the head office of the Trust will be closed.

11. Right of Trust to accept or reject application—

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept or reject applications for issue of units under the Scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the Scheme shall be final.

12. Applicant to comply with requirements under the Scheme before being issued units

Persons applying for units under the Scheme shall be bound to satisfy the Trust about their eligibility to make an application under the Scheme and to comply with all the requirements of the Trust. A person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unit certificate cancelled and his name shall be deleted from the register of unit holders. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par. The

amount shall not carry any rate of interest irrespective of the period it takes the Trust to repurchase and remit the repurchase proceeds to the applicant.

13. Sale and Repurchase prices—

(1) The price at which a unit will be sold by the Trust is hereinafter referred to as "the sale price", and the price at which a unit will be repurchased by the Trust is hereinafter referred to as "the repurchase price".

(2) The repurchase price shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day immediately preceding the day on which the repurchase price is determined, of the assets pertaining to this scheme, reduced by liabilities, pertaining to this scheme, not being contingent liabilities or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any, as at the close of business on the said working day by the number of units in issue as at close of business on the said day, deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust.

(3) The repurchase price of a unit shall be arrived at on the basis of the material available with the Trust on the day on which the repurchase price, is arrived at.

(4) Notwithstanding anything to the contrary contained hereinabove when the Trust is satisfied that it is necessary or expedient in the interest of the Trust and the unit holders to vary the repurchase price as arrived at in the manner detailed above it may to such extent as it may deem fit vary the repurchase price arrived at by such extent as it may deem fit or, as the case may be, sub-clause (4), in the event of a complete breakdown or dislocation of business in the financial market due to war, insurrection, civil commotion or any other serious or sustained political and industrial disturbance or if the whole present basis of stock exchange prices should undergo a substantial change through the occurrence of some catastrophe or similar event, it may vary the sale or repurchase price or both to such an extent as it may deem fit.

14. Publication of sale and repurchase price

The Trust shall, as early as possible after the determination of the sale and repurchase prices, publish in such manner as it may deem fit, the sale price and the repurchase price of units.

15. Valuation of assets pertaining to this Scheme—

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clause () and () of clause 12, the assets shall be classified into (A) Cash, (B) Investments and (C) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :—

I (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of securities held by the Trust pertaining to this scheme. Provided where a security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances, consider to be the fair value of such investment; and

II. adding thereto

(a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(b) in the case of Government securities and debentures, interest accrued but not received;

(c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend, any dividend declared but not received.

16. Form of unit certificate—

Unit certificates shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unit holder.

17. Manner of preparation of unit certificate—

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board of Trustees may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust.

Provided further that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may, by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The unit certificate so issued shall also be valid.

18. Trusts not to be recognised regarding units—

The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unit holder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents, and the Trust may recognise such unit holder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or, save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognise any trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

19. Exchange of unit certificates and procedure when certificate is mutilated, defaced, lost etc.—

(1) Subject to the provisions of this scheme, every unit holder shall be entitled to exchange any or all of his unit certificates for one or more unit certificates of such denominations in multiples of five units as he may require, representing the same aggregate number of units. While applying for such exchange, the unit holder shall surrender to the Trust the unit certificate or certificate or certificates to be exchanged and shall pay to the Trust all moneys (if any, payable thereunder) in respect of the issue of the new unit certificate or certificates.

(2) (a) In case any unit certificate is mutilated or defaced, the Trust in its discretion may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or defaced unit certificate represents. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion issue to the person entitled a new unit certificate in lieu thereof. No such new unit certificate shall be issued unless the applicant shall previously have

- (i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, defacement, loss, theft or destruction of the original unit certificate;
- (ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts;
- (iii) (in case of mutilation or defacement) produced and surrendered to the Trust the mutilated or defaced unit certificate; and
- (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require.

(b) The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(3) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the

unit certificate to pay a fee of Rupee one per unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

20. Register of unit holders—

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unit holders :—

- (a) the names and addresses of the unit holders;
- (b) the distinctive number of the unit certificate or certificates and the number of units held by every such person; and
- (c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

(2) No application for registration as a unit holder shall be entertained unless the application relates to a multiple of ten units.

Provided that where, on the death of a unit holder, any other person becomes entitled to a number of units which is not a multiple of ten, such person may be registered as a unit holder in respect of such number of units.

Provided further that the Trust may, on application by such person in the appropriate form, sell to or repurchase from such person, such number of units as may be necessary to make the units held by him a multiple of ten.

Provided, however, that such person shall, within six months from the date of his being so registered, either purchase from or sell to the Trust units so as to make the number of, units held by him a multiple of ten.

(3) If any unit certificate stand registered in the names of two or more persons, such persons shall be deemed to hold the unit certificate jointly and a discharge by the person first named in the register of unit holders shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

(4) Where two or more individuals, none of them being a minor, apply, whether in pursuance of a transfer of units to them or otherwise, for issue of a unit certificate in their favour and, in such application or otherwise, request in writing that any one of them should be permitted to deal with the units represented by the certificate, the Trust shall record in its books suitable entries to take note of such request; and when a unit certificate has been issued in such circumstances, then, notwithstanding anything to the contrary in sub-clause (3), any one or more of the holders shall be entitled to deal with the units represented by such certificate, and a discharge by any one or more of such person shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

(5) Any change of name or address on the part of any unit holder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(6) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unit holder, without charge.

(7) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement.

Provided however, that after the publication of the intimation by the Trust of the termination of this scheme, the Trust would be entitled to close the register for more than 30 days in any one year and thereafter the Trust would not be liable to accept any transfers of units for registration.

with the Trust or to give effect to any transfer of units by any unitholder after the date so notified and any application for transfer of units thereafter shall be deemed inoperative and the Trust shall not be liable for any loss that any unitholder may suffer on that account.

(8) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

21. Receipt by unit holder to discharge Trust

The receipt of the unit holder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

22. Nomination by unitholders :

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination in favour of not more than 2 persons subject to the regulations made in this regard.

(2) Unitholders being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, shall have no right to make any nomination.

24. Transfer of Units :

(1) Every unitholder shall be entitled to transfer the units or any of the units held by him by an instrument in writing duly approved by the Chairman provided that no transfer shall be registered if the registration thereof would result in the transferor or the transferee being a holder of a No. of units not being a multiple of ten.

(3) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of the units transferred until the name of the transferee is entered in the register in respect thereof.

(4) Every instrument of transfer shall be duly stamped (if under the law it requires to be stamped) and left with the Trust for registration alongwith the relevant unit certificate or certificates and such other evidence as the Trust may require in support of the title of the transferor or his right to transfer the units. For purposes of calculation of the value of stamps to be affixed, the face value of each unit shall be Rs. 100/- i.e. at par until such time the repurchase price is fixed and published by the Trust after 1st July 1994. If the instrument of transfer is not adequately stamped, the Trust reserves the right to reject the instrument of transfer.

(5) Every instrument of transfer shall be lodged with Trust for registration at least a month before the period of closure of books alongwith the relevant certificate. If the transfer is registered in the books of the Trust after the period of book closure as the case may be the dividend accruing for the period prior to the transfer will be paid to the transferor.

25. Death or bankruptcy of a unitholder :

(1) In the event of death of a unitholder, the nominee/s shall be person/s recognised by the Trust as the person/s entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the regulations.

(2) In the absence of a valid nomination by a unitholder the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(3) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at par after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

(4) In the event the sole nominee under the unit certificate is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase

value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued a unit certificate in his name in respect of units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.

26. Investment Limits :

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not.

27. Income Distribution

The Trust may or may not declare income distribution under the scheme depending upon the income received under the Scheme and the expenses incurred thereunder.

The income distributable, if any, shall be paid as soon as may be after the closing of the annual accounts as on the 30th of June each year.

No interest shall be payable by the Trust on such income distribution if any among the unitholders.

28. Publication of Accounts

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending as of that date. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

29. Additions and Amendments to the Scheme

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette.

30. Termination/Extinguishment of the Scheme :

The Scheme shall stand finally extinguished/terminated on after the repurchase of the final 20% of the holdings of the unitholder, being the last instalment of the 5 year regulated repurchase. The Trust shall make necessary announcements in leading newspapers in this regard.

31. Scheme to be binding on Unitholders :

The terms of the scheme including any amendments, changes thereto from time to time should be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contained in the provisions of the scheme.

32. Benefits to the unitholders :

All benefits accruing under the scheme in respect of capital and reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the scheme shall be available only to the unitholders who hold the units for the full term of the scheme till its closure.

33. Copy of Scheme to be made available :

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application and payment of Rupees five.

34. Power to construe provisions :

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme, in so far such construction is not in any manner

prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and such decision shall be conclusive.

35. Relaxation/variation/modification of provisions :

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder or class of unitholders upon such may be deemed expedient.

EMBLEM

UNIT TRUST OF INDIA

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

CAPITAL GROWTH UNIT SCHEME

(CLAUSE XI)

UNIT CERTIFICATE NO.

NO. OF UNITS

This is to certify that the person/s name in this Certificate is the Registered Holder of

Units, each of the face value of Rupees One hundred only, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the Capital Growth Unit Scheme.

Name :

FOR THE UNIT TRUST OF INDIA

Date :

CHAIRMAN

TRUSTEE

Scheme of Repurchase

percentage of investment

Date

20	1-7-94,
20	1-7-95.
20	1-7-96.
20	1-7-97
20	1-7-98

Unitholders may if they so desire submit this unit certificate for repurchase of the units comprised in this certificate after the form on the reverse is duly filled only after the lock in period of three years.

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF UNITS

To

Unit Trust of India

I/We, and/are the registered holders of units of the Capital Growth Unit Scheme and are desirous of selling to the Trust all the units at the repurchase price on the acceptance date in respect of this application.

Signature/s of holder(s)

.....
Signature of witness

1.

1.

2.

2.

Occupation :

Address :

.....
Signature of witness

Occupation :

Address :

प्रबन्धक, भारत सरकार मूद्रणाभिय फरीदाबाद द्वारा मुद्रित

एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1991

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1991

